लखनऊ

मंगलवार, 8 सितंबर, 202

वर्ष : 12 । अंक: 15

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शांति की तलाश में आप जहाँ भी जाएँगे, अगर वह आपके भीतर नहीं है तो आपको कहीं नहीं मिलेगी।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi | NIGHT 28° Low

संक्षेप

सागर जहरीली शराब कांड: अस्पताल में 84 बीमार लोगों का इलाज जारी, 30 आरोपियों को केस दर्ज

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब से कई मौतों के मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 30 से अधिक नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से 10 आरोपियों को हिरासत में भी लिया जा चुका है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बांदा तहसील में हुई इस घटना में लगभग 12 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, जहरीली शराब पीने के बाद 84 लोगों का इलाज चल रहा है। बीमार 84 लोगों में से 59 को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी), 17 को जिला अस्पताल और सात को बांदा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सागर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सोमवार सुबह उपमुख्यमंत्री और सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के दौरान बताया कि एक गंभीर रूप से बीमार मरीज को एयरलिफ्ट करके एम्स भोपाल भेजा गया। राजेंद्र शुक्ला ने आईसीयू और सीसीयू वार्ड का दौरा भी किया, मरीजों से बातचीत की और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को अवैध शराब की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्देश दिया और सभी शराब की दुकानों के निरीक्षण, स्टॉक की जांच व अवैध शराब के कारोबार की विस्तृत जांच के आदेश दिए। शुक्ला ने कहा, लापरवाही बरतने या चूक के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव पूरे मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। शुरुआती जांच से पता चला है कि जहरीली शराब इलाके के बाहर बनाई गई थी और स्थानीय स्तर पर सप्लाई की गई थी। इसमें मेथनॉल की मिलावट पाई गई है।

सीएम विजय ने डीएमके को दी चेतावनी, कहा- महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से सोमवार को विपक्षी पार्टी डीएमके पर तीखा हमला किया गया। उन्होंने पार्टी और उसके कई वरिष्ठ नेताओं पर सरकार में रहते हुए भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया। पुलिस विभाग के लिए ग्रांट की मांग पर विधानसभा में हुई बहस का जवाब देते हुए, विजय ने कहा कि राजनीतिक आलोचना तो ठीक है लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। सदन में तीखी बहस के बीच उन्होंने कहा कि महिलाओं के बारे में अश्लील या अपमानजनक टिप्पणी करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने उन बयानों की भी आलोचना की जो कथित तौर पर डीएमके पदाधिकारियों ने उन लोगों के खिलाफ दी थी जिन्होंने पार्टी को वोट नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां लोगों के फैसले के प्रति सम्मान की कमी को दिखाती हैं और यही वजह है कि पार्टी अब विपक्ष में बैठी है। भ्रष्टाचार के आरोपों पर बात करते हुए सीएम विजय ने उन दस्तावेजों और नतीजों का जिक्र किया जो उनके अनुसार आधिकारिक रिकॉर्ड और विधानसभा लाइब्रेरी में मौजूद थे। उन्होंने 1977 की सरकारिया आयोग की रिपोर्ट का हवाला दिया और वीरनम पाइपलाइन प्रोजेक्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया।

यूपी समेत 5 राज्यों में चुनावी बिगुल

जनगणना के फैसले से फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में जनगणना का काम आगे बढ़ाने तथा मणिपुर में जनगणना के पहले चरण को टालने के केंद्र के फैसले से इन पांच राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश समेत पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में कराए जा सकते हैं।

इन पांच राज्यों में सबसे पहले मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 13 मार्च 2027 को समाप्त होगा। इसके बाद गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च, पंजाब का 16 मार्च और उत्तराखंड का 18 मार्च को खत्म होगा। वहीं, उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 को समाप्त होगा। 2022 में भी इन पांचों राज्यों में लगभग एक साथ विधानसभा चुनाव हुए थे। हालांकि, उत्तर प्रदेश विधानसभा की पहली बैठक 22 मई 2022 को हुई थी। ऐसे में 2027 में भी चुनाव आयोग द्वारा पांचों राज्यों में एक साथ चुनाव कराने की संभावना है। आयोग की परंपरागत व्यवस्था के मुताबिक सबसे पहले समाप्त होने वाली विधानसभा यानी मणिपुर का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई जा सकती है।

इस स्थिति में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव उसके मौजूदा कार्यकाल की समाप्ति से करीब दो महीने पहले हो सकते हैं। यह पिछले तीन विधानसभा चुनावों के पैटर्न के अनुरूप भी होगा। संवैधानिक प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग किसी राज्य में विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले तक चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बड़ी आबादी और मतदाताओं की संख्या को देखते हुए कई चरणों में मतदान कराए जाने की संभावना है। हालांकि, बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा अपनाए गए हालिया तौर-तरीकों को देखते हुए चरणों की संख्या पहले की तुलना में कम रखी जा सकती है। यदि उत्तर प्रदेश में बिहार की तरह मतदान को दो चरणों तक सीमित किया जाता है, तो चुनावी प्रक्रिया फरवरी या मार्च की शुरुआत में शुरू हो सकती है। चुनाव वाले पांच राज्यों में से तीन राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण का काम पूरा हो चुका है।

सहकारी संघवाद से मजबूत होगा टीम इंडिया का संकल्प, वेस्टर्न ज़ोनल काउंसिल में हुंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को गोवा के डोना पाउला में वेस्टर्न ज़ोनल काउंसिल की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह बैठक गृह मंत्रालय के तहत इंटर-स्टेट काउंसिल सेक्रेटेरिएट द्वारा आयोजित की जा रही है और गोवा सरकार इसकी मेज़बानी कर रही है। गृह मंत्रालय के अनुसार, शाह वेस्टर्न ज़ोनल काउंसिल के चेयरमैन हैं, जबकि गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत इसके वाइस-चेयरमैन हैं। सदस्य राज्यों में से, हर साल बारी-बारी से किसी एक राज्य के मुख्यमंत्री काउंसिल के वाइस-चेयरमैन के तौर पर काम करते हैं।

ज़ोनल काउंसिल में पश्चिमी क्षेत्र के हर राज्य के मुख्यमंत्री और हर राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री सदस्य के तौर पर शामिल थे। काउंसिल की बैठक में भारत सरकार और राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर देश के लिए 'टीम भारत' की परिकल्पना की है और ज़ोनल काउंसिल इस दिशा में अहम योगदान दे रही हैं। पीएम मोदी ने सर्वांगीण विकास हासिल करने के लिए सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद की क्षमता का इस्तेमाल करने पर ज़ोर दिया है। 'मजबूत राज्यों से ही मजबूत राष्ट्र बनता है' की भावना के साथ, ज़ोनल काउंसिल दो या दो से ज़्यादा राज्यों, या केंद्र और राज्यों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत और चर्चा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र प्रदान करती हैं और इस प्रक्रिया के ज़रिए आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए एक मंच के तौर पर काम करती हैं।

डिवाइडर से टकराने के बाद श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, 6 की मौत, 30 घायल

आर्यावर्त क्रांति

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 30 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर है। हादसा खेकड़ा थाना क्षेत्र में बड़ागांव कट के पास हुआ।

जानकारी के अनुसार, पिकअप में सवार श्रद्धालु राजस्थान से उत्तर प्रदेश के बदायूं जा रहे थे। देर रात करीब 12:30 बजे डायल-112 के जरिए पुलिस को हादसे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही खेकड़ा थाना पुलिस के साथ चार पीआरवी और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर वाहन में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। हादसे में घायल लोगों को तत्काल सीएचसी खेकड़ा, सीएचसी बागपत और जिला अस्पताल बागपत पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल 14 लोगों को बेहतर इलाज के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज के सीएमएस अजीत चौधरी के मुताबिक, हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हुई है, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। घायलों को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

हमारी गलतियां बताकर राहुल गांधी अपना काम अच्छे से कर रहे हैं : केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर बड़ी बात कही। TV9 भारतवर्ष के हेल्थ कॉन्क्लेव में जब उनसे ये सवाल पूछा गया कि राहुल गांधी महाराष्ट्र में भी छात्रों के मुद्दे पर काफी एक्टिव हैं। छात्रों की गूंज तब तक जारी रहेगी, जब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिल जाता। अगर यहां भी छात्रों की नहीं सुनी जाएगी तो वे इस मुद्दे को उठाते रहेंगे और MPSC पेपर लीक मुद्दे को उठाते रहेंगे।

इसके जवाब में प्रताप जाधव ने कहा कि ये बात तो सही है कि ये काम विपक्ष का है, ऐसा नहीं है कि कोई भी सरकार या शासन करने वालों से गलतियां नहीं होतीं। भगवान से भी गलतियां होती हैं तो इंसान हो या फिर सत्ता में रहने वाले लोग हों कुछ न कुछ गलतियां होती हैं और वो गलतियां दिखाना विपक्ष का काम होता है और वो (राहुल) अपोजिशन का काम अच्छे से कर रहे हैं। हम चाहेंगे विपक्ष ऐसे ही हमारी कमियां हमें बताते रहे, हम उसे निश्चित रूप से सुधारने का काम करेंगे।

आमतौर पर मौजूदा राजनीति में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता कि सत्ताधारी पार्टी का कोई मंत्री इस बात को सहस्र स्वीकार करे कि गलतियां सबसे होती हैं, मौजूदा सरकार से भी होती हैं। साथ ही ये भी कहे कि विपक्षी नेता के तौर पर राहुल अच्छा काम कर रहे हैं।

इसके बाद जब केंद्रीय राज्य मंत्री से ये पूछा गया कि आप मानते हैं कि सरकार से गलतियां हुई हैं? इसके जवाब में जाधव ने कहा कि गलतियां सरकार खुद नहीं करती। इतना बड़ा सिस्टम है। जैसे बीते दिनों आपने देखा कि Gen-Z का आंदोलन हुआ, शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

इमारत गिरने की घटना को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल, बिल्डिंग मालिक के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत के गिरने से हुई मौत मामले में बिल्डिंग के मालिक हरिराम बंसल के खिलाफ 'लुक आउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है। इस घटना की जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया अभी जारी है। इमारत गिरने के बाद पुलिस ने बंसल और अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस के मुताबिक, इस इमारत का इस्तेमाल पेइंग गेस्ट (पीजी) के तौर पर किया जा रहा था और बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था, तभी अचानक इमारत ढह गई। 'हॉस्टल डेज' नाम की यह पांच मंजिला इमारत लड़कों के पीजी के तौर पर चल रही थी और घटना के समय वहां कई छात्र रह रहे थे। चश्मदीदों के मुताबिक, पास की एक और इमारत भी ढह गई, जिससे इलाके की इमारतों की सुरक्षा और उनकी बनावट की हालत को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई है जबकि पांच लोगों को बचा लिया गया है। मलबे में दबे अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है। मलबे में कई छात्रों के फंसे होने की आशंका है क्योंकि दिल्ली यूनिवर्सिटी के पास के कॉलेजों के कई छात्र पीजी में रह रहे थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह घटनास्थल का दोबारा दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा उपायों का जायजा लिया और हादसे के बाद चल रहे बचाव और उससे जुड़े कामों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इमारत के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने साफ किया कि अगर इस मामले में लापरवाही या चूक के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारी जिम्मेदार पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत जोड़ो यात्रा के पूरे हुए 4 साल, कांग्रेस ने बताया राजनीति का परिवर्तनकारी मोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के सोमवार को चार साल पूरे होने पर इसे देश की समकालीन राजनीति में एक ''परिवर्तनकारी घटना'' करार दिया और कहा कि इस पदयात्रा ने देश में नयी उम्मीद जगाई और नया संकल्प पैदा किया। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सात सितंबर, 2022 को भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। उनकी करीब चार हजार किलोमीटर लंबी पदयात्रा का समापन 30 जनवरी, 2023 को श्रीनगर में हुआ था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के चार साल पूरे होने पर उस ''निर्णायक मोड़'' को याद किया जा रहा है, जिसने देश में नयी उम्मीद, नयी ऊर्जा और नया संकल्प पैदा किया। रमेश ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली गई यह ऐतिहासिक पदयात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर 145 दिन में 12 राज्य और दो केंद्रशासित प्रदेश से गुजरते हुए 4,080 किलोमीटर की दूरी तय कर श्रीनगर में एक रैली के साथ संपन्न हुई थी। उन्होंने कहा कि यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी ने कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद स्मारक का दौरा किया था और उनके साथ करीब 120 अन्य 'भारत यात्री' भी इस यात्रा में शामिल हुए थे।

कांग्रेस महासचिव के अनुसार, आर्थिक असमानताओं के बढ़ने, सामाजिक ध्रुवीकरण और ''बढ़ते राजनीतिक अधिनायकवाद'' से चिंतित लाखों भारतीयों ने इस पदयात्रा को समर्थन और सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि पदयात्रा का मूल उद्देश्य

अभिषेक बनर्जी के ऑफिस से जुड़े बोर्ड विवाद पर शीर्ष अदालत ने क्या कहा, अब क्या करेगी टीएमसी?

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित टीएमसी कार्यालय से पार्टी का कथित तौर पर अनधिकृत साइनबोर्ड हटाए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। पार्टी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के अंतरिम राहत नहीं देने के फैसले को चुनौती दी थी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सीधे हस्तक्षेप करने के बजाय टीएमसी को अपनी सभी दलीलें हाईकोर्ट के सामने रखने को कहा। अब सवाल है कि जिस बोर्ड को नगर निगम पहले ही हटा चुका है, उस पर टीएमसी को अदालत से क्या राहत मिल सकती है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने टीएमसी से कहा कि साइनबोर्ड हटाने से जुड़े सभी पक्षों को कलकत्ता हाईकोर्ट के सामने रखा जाए। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों को अपनी-अपनी दलीलें हाईकोर्ट में रखने की छूट दी और टीएमसी की याचिका का निपटारा कर दिया। साथ ही हाईकोर्ट से कहा गया कि वह सभी पक्षों की दलीलों पर जल्द फैसला करे।

टीएमसी सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंची थी?

टीएमसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखा। उन्होंने पार्टी के साइनबोर्ड को हटाए जाने के मामले में शीर्ष अदालत से हस्तक्षेप की मांग की। यह याचिका कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ दाखिल की गई थी, जिसमें हाईकोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। टीएमसी का मामला दक्षिण कोलकाता के 9, कैमक स्ट्रीट स्थित उस इमारत से जुड़ा है, जहां टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी का कार्यालय भी है।

साइनबोर्ड हटाने को लेकर विवाद क्या है?

विवाद उस कथित तौर पर अनधिकृत साइनबोर्ड को लेकर है, जिस पर टीएमसी का चिन्ह लगा था। कोलकाता नगर निगम ने पुलिस की मदद से कैमक स्ट्रीट स्थित इमारत से इस बोर्ड को हटाया था। टीएमसी ने इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया।

डॉक्टरों पर हमला बर्दाश्त नहीं, ऐसे नेताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाए... सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के नेताओं और सदस्यों द्वारा डॉक्टरों एवं चिकित्सा कर्मियों के साथ मारपीट की घटनाओं पर कड़ी नाराजगी जताई है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले लोग जमानत के हकदार नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे राजनेताओं को छुट्टा घूमने देने के बजाय तुरंत हिरासत में लिया जाना चाहिए।

सोमवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट बेहद तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले नेताओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कोर्ट ने सरकार को ऐसे लोगों को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे लोगों को खुलेआम सड़कों पर घूमने नहीं देना चाहिए।

'हमला करने वालों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों के अपने चैंबर में जाकर उन्हें बुरी तरह पीटने को किसी भी हालत में सामान्य नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि दूसरे भी ऐसी हरकत करने से डरें।

जमानत की शर्तों को दी थी चुनौती

रमेश म्हात्रे ने कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों के साथ मारपीट के मामले में मिली जमानत की शर्तों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि उनके वकील मुकुल रोहतगी ने जमानत की शर्तों में बदलाव की याचिका कोर्ट से वापस ले ली। महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने की मांग की है। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर रमेश म्हात्रे को नोटिस भेजा है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी।

शिवसेना के पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। कोर्ट ने कहा कि मारपीट में शामिल लोगों को हिरासत में लिया जाना चाहिए और उन्हें स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

रमेश म्हात्रे को मिली थी जमानत

रमेश म्हात्रे को हाल ही में जेल से रिहा किया गया था, जिसके बाद वो जमानत की शर्त का पालन करते हुए महाराष्ट्र से बाहर रहने के लिए गोवा चले गए थे। अगस्त 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दी थी। कोर्ट ने आदेश दिया था कि ट्रायल शुरू होने तक वो महाराष्ट्र राज्य से बाहर (गोवा के अंजीना क्षेत्र) रहेंगे।

डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट

इससे एक दिन पहले भी पालघर जिले में एक अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट हुई थी। आरोप है कि रविवार तड़के शिवसेना के कुछ पदाधिकारियों ने अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ के साथ मारपीट की। बताया जा रहा है कि दही हांडी उत्सव के दौरान घायल हुए एक व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर रिलीफ हॉस्पिटल में विवाद शुरू हुआ था। इसके बाद अस्पताल की गैलरी में हंगामा हो गयाइस मामले में पालघर पुलिस ने कम से कम 17 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना के कुछ सदस्य भी शामिल हैं।

CCTV फुटेज में कैद हुई घटना

CCTV फुटेज में कथित तौर पर एक व्यक्ति को अस्पताल की रिसेप्शनिस्ट को थप्पड़ मारते हुए देखा गया। आरोप है कि जब महिला कर्मचारी ने मामले में दखल देने की कोशिश की तो उसे धमकी भी दी गई।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण: एएसआई की जांच से खुलेगा राज, कितना पुराना है कुआं?; देव स्थान होने का किया दावा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सहारनपुर। सहारनपुर में कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद ध्वस्तीकरण के बाद मलबे के नीचे कुआं मिलने के बाद सभी के मन में एक सवाल उठ रहा है कि यह कुआं कितना पुराना है और इसका इस्तेमाल कब और किसके द्वारा किया जाता था।

जांच के लिए प्रशासन ने एएसआई से संपर्क साधा है, जिसकी टीम सर्वे के लिए आ सकती है। उधर, राजस्व अभिलेखों को भी खंगाला जा रहा है। कुआं मिलने के बाद राजस्व विभाग अलर्ट हो गया है। विभाग अब कलक्ट्रेट परिसर में कुआं होने की जानकारी के संबंध में पुराने दस्तावेज खंगाल सकता है।

खसरे में वर्ष में तीन बार लेखपाल तीन बार मौके पर जाकर स्वयं पड़ताल करते थे। इसमें खरीफ, रबी फसलों, जायद फसलों के साथ कुएं की जानकारी राजस्व अभिलेखों में दर्ज की जाती थी। देखा जाता था कि कौन सी फसल कितने क्षेत्रफल में लगी है।

यदि खसरा-खतौनी या फिर अन्य ऐतिहासिक दस्तावेजों में कुआं दर्ज होने संबंधी जानकारी मिलती है तो कुएं के इतिहास के संबंध में जल्द पता चल सकता है। इसके साथ ही प्रशासन की टीम ने भारतीय पुरातत्व विभाग से भी संपर्क किया है। माना जा रहा है कि भारतीय पुरातत्व संस्थान की टीम सर्वे के लिए आ सकती है।

बेदखली की कार्रवाई के बाद मलबे को हटाया जा रहा था। इस दौरान कुआं मिला है। इस संबंध में एएसआई से भी संपर्क किया जा रहा है। सर्वे और जांच के बाद ही पता चलेगा कि कुआं कितना पुराना है।

- सुबोध कुमार, एसडीएम सदर

लखौरी ईंटों का यह है इतिहास

इतिहासकार और लेखक डॉ. राजीव उपाध्याय यायावर बताते हैं कि मुगलकाल के दौरान खासकर करीब 17वीं से 18वीं शताब्दी के बीच हुए निर्माण में उत्तर भारत में लखौरी ईंटों का इस्तेमाल किया जाता था। लखौरी ईंटों को आपस में जोड़ने के लिए गारे या चूने का इस्तेमाल होता था। निर्माण कार्यों में इन ईंटों का प्रयोग करीब वर्ष 1850 तक किया जाता रहा। जिले में सर्किट हाउस के सामने बने मकबरे और लखनौती के किले में इन ईंटों का इस्तेमाल किया गया है।

ध्वस्त की गई मस्जिद के नीचे मिला कुआं, एएसआई करेगी जांच

सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर में मस्जिद का मलबा हटाने के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। मलबा हटा रही टीम को मस्जिद के बीचोंबीच एक कुआं मिला है। कुएं का व्यास करीब डेढ़ मीटर और गहराई 20 से 22 फीट है। कुआं पुरानी लखौरी ईंटों का बना हुआ प्रतीत हो रहा है। कुएं का इतिहास जानने के लिए प्रशासन ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्थान (एएसआई) से संपर्क किया है।

शनिवार को प्रशासन की टीम ने कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। मलबे को हटाने का कार्य देर रात तक जारी रहा। रविवार तड़के मलबा हटा रही टीम को एक कंक्रीट का स्लैब मिला। पहले तो स्लैब को बुल्डोजर से हटाने की कोशिश की गई। जब टीम को सफलता नहीं मिली तो पोकलैंड के माध्यम स्लैब को तोड़ा गया।

जब स्लैब को हटाया गया तो उसके नीचे से कुआं निकला, जिसकी चौड़ाई करीब डेढ़ मीटर यानी पांच फीट के आसपास है, जबकि गहराई 20 से 22 फीट है। कुएं के अंदर भी मलबा भरा हुआ है। यानी उसकी गहराई और हो सकती है। कुएं को पुरानी लखौरी ईंटों का इस्तेमाल कर बनाया गया है।

इसके साथ ही उसे ढंकने के लिए क्रंकीट का स्लैब रखा गया था। कुएं का पता चलने के बाद तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुएं का इतिहास जानने के लिए प्रशासन ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्थान (एएसआई) से सर्वे कराने की बात कही है।

इसके लिए संपर्क किया गया है। उधर, दूसरे दिन रविवार को भी कलक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त रहे। किसी भी बाहरी व्यक्ति को परिसर के भीतर प्रवेश नहीं दिया गया। परिसर के पांचों गेट पर ताला लगा रहा, जिन पर पुलिस बल तैनात रहा। केवल मुख्य गेट से ही आवाजाही रही।

देव स्थान होने का किया दावा

बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक व मुख्य शिकायतकर्ता विकास त्यागी ने कुआं मिलने के बाद देवस्थान होने का भी दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कुआं पूजनीय है। जहां पर कुआं होता है। वहां पर देवस्थान अवश्य होता है। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए सर्वे की बात कही। कहा कि यह पता लगाया जाए कि कुआं कितना पुराना है। ऐसा भी संभव है कि पूजित स्थान को हटाकर मस्जिद का निर्माण किया गया हो।

सहारनपुर के कलक्ट्रेट परिसर में मस्जिद को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर किया ध्वस्त

सहारनपुर में कलक्ट्रेट परिसर स्थित दो मंजिला मस्जिद को जिला प्रशासन ने शनिवार को ध्वस्त करा दिया। करीब पांच घंटे चले ध्वस्तीकरण में सात बुलडोजर और 12 डंपर लगाए गए। मस्जिद ढहाने के दौरान कलक्ट्रेट के पांचों द्वारों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। तनाव के मद्देनजर आसपास के जिलों से भी फोर्स बुलाई गई थी। प्रशासन ने शुक्रवार रात में ही कलक्ट्रेट परिसर की घेराबंदी कर फोर्स तैनात कर दी थी। मौके पर पहुंचे एमएलसी शाहनवाज खान, मस्जिद प्रबंधन पक्ष के लोगों और अन्य नेताओं को बताया गया कि मस्जिद को सील किया जा रहा है। सुबह पांच बजे डंपर और जेसीबी कलक्ट्रेट में पहुंचने शुरू हो गए। करीब ढाई घंटे बाद साढ़े सात बजे बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। दोपहर 12 बजते-बजते 315 वर्ग मीटर में बनी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। पूरा मलबा भी ढोकर बाहर कर दिया गया। डीआईजी अभिषेक सिंह का कहना है कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

बहू ने कराया ससुर का कत्ल

75 मिनट फ्लैट में छिपे, 30 मिनट बाद हत्या कर निकले ; दवा कारोबारी के मर्डर की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर।

कानपुर में कल्याणपुर के इंदिरानगर स्थित रतन ऑर्बिट अपार्टमेंट निवासी दवा कारोबारी विनीत मिनोचा (63) की शनिवार देर रात चाकू से गोदकर नृशंस हत्या कर दी गई। हत्यारों ने कारोबारी पर चाकू से 26 से ज्यादा वार किए। वारदात के वक्त वह फ्लैट में अकेले थे। रविवार सुबह चार बजे बेटा-बहू पार्टी से घर लौटे तब वारदात का पता चला। पुलिस कमिश्नर फोर्स संग मौके पर पहुंचे और जांच की।

अपार्टमेंट की गैलरी में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए, इनमें कारोबारी का पूर्व कर्मचारी हरबंशमोहाल निवासी विशाल गौतम व उसका साथी राजकिशोर फ्लैट में घुसते और निकलते दिखाई दिए। पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ के दौरान दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों के पैर में पुलिस की गोली लगी। पूछताछ में हत्यारोपियों ने कारोबारी की बहू के कहने पर वारदात की बात कबूली है। पुलिस हत्या की वजह पता करने में जुटी है। रतन ऑर्बिट अपार्टमेंट की पहली मंजिल के फ्लैट नंबर सी-104 में रहने वाले विनीत मिनोचा शहर के पांच बड़े दवा कारोबारियों में माने जाते थे।

उनकी बिरहाना रोड पर फार्मा ट्रेडर्स के नाम फर्म है। परिवार में बेटा सुब्रत, बहू शालू और छह साल का पोता श्रीजय हैं। पत्नी पुनीता गाजियाबाद में मैरिज काउंसलर हैं। सुब्रत ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात करीब 9:36 बजे वह फ्लैट के मेनगेट को लॉक कर पत्नी शालू व बेटे के साथ तिलकनगर स्थित दोस्त की पार्टी में गए थे। रविवार सुबह 4:13 बजे घर लौटे। पत्नी किचन में पानी लेने गई तो पिता के कमरे से रिस कर बाहर आ रहा खून दिखा। दरवाजा खोला तो उनका शव जमीन पर पड़ा था। बेटे-बहू ने करीब 37 मिनट बाद पुलिस को इसकी सूचना दी।

सवा घंटे फ्लैट में छिपे, आधे घंटे बाद हत्या कर निकले

कानपुर के पॉश इलाकों में शुमार इंदिरानगर के प्रतिष्ठित रतन ऑर्बिट अपार्टमेंट के फ्लैट में विनीत मिनोचा की हत्या से सनसनी फैल गई। पुलिस मौके पर पहुंची और और सीसी कैमरे चेक किए तो शनिवार रात 9:36 बजे कारोबारी का बेटा सुब्रत, बहू शालू अपने बेटे के साथ जाते दिखाई दिए। ठीक 10 मिनट बाद दो संदिग्ध गैलरी से बड़े आराम से फ्लैट सी-104 में दाखिल हो गए। करीब सवा घंटे फ्लैट में ही छिपे रहे। 10:58 बजे कारोबारी विनीत फ्लैट में पहुंचे। हत्यारोपी आधे घंटे में उनकी हत्या कर निकल गए। आरोपियों ने लॉक से कोई छेड़छाड़ नहीं की और फ्लैट में घुसकर विनीत के आने का इंतजार करते रहे। 10:58 बजे विनीत अपनी फर्म से फ्लैट पर पहुंचे। खूनी खेल खेलने के 30 मिनट बाद आरोपी फ्लैट से निकलते हुए दिखाई दिए। बेटे ने जब एक आरोपी की पहचान फर्म में काम करने वाले पूर्व कर्मी विशाल गौतम के रूप में की तो पुलिस को किसी करीबी पर ही शक हुआ था।

पकड़े गए दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि काम पूरा होने पर बहू ने लाखों रुपये देने की बात कही थी। पुलिस अब बहू-बेटे समेत अन्य से पूछताछ कर रही है।

बेटा-बहू लिफ्ट से नीचे गए आरोपी जीने से चढ़े

हत्यारोपी जिस तरह ठीक 10 मिनट बाद फ्लैट में दाखिल हो गए उससे पता चलता है कि आरोपी को कोई पल-पल की जानकारी दे रहा था। सामने आया कि बेटा सुब्रत, पत्नी व बेटे के साथ लिफ्ट से नीचे उतरा था जबकि आरोपी जीने से चढ़ कर पहली मंजिल तक ऊपर गए। इस दौरान उन्होंने रजिस्टर में एंट्री भी नहीं की थी।

फ्लैट के मुख्य गेट से लेकर किचन तक में कैमरे

रतन ऑर्बिट परिसर कैमरों से लैस हैं। परिसर की रखवाली के लिए सिक्योरिटी गार्ड हैं। इसके बावजूद विनीत को सुरक्षा का डर सता रहा था। उन्होंने अपने फ्लैट के मुख्य गेट में दो जबकि डाइनिंग एरिया में एक कैमरा और किचन तक में कैमरा लगवा रखा था। कहीं ऐसा तो नहीं विनीत को करीबी द्वारा हत्या किए जाने की आशंका सता रही थी। पुलिस इस पहलू पर भी काम कर रही है।

बड़ा सवाल, हत्यारोपी आसानी से फ्लैट में कैसे घुसे

पुलिस के मुताबिक, मुख्य गेट की दो चाबियां हैं। एक चाबी बेटा-बहू अपने पास रखते थे जबकि दूसरी चाबी विनीत अपने पास रखते थे। ऐसे में हत्यारों के पास तीसरी चाबी कैसे आई। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है। क्या मुख्य गेट की तीसरी चाबी हत्यारों को उपलब्ध कराई गई थी या बेटे-बहू ने जाते समय फ्लैट बंद ही नहीं किया। वहीं, बहू ने ससुर पर बंदिशें लगाने के कारण उनकी हत्या कराने की बात कबूली है जबकि कारोबारी को काफी खुले मिजाज का बताया जा रहा है।

मेडिकल कालेज में लगी हेपेटाइटिस बी की डायलिसिस मशीन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मेडिकल कालेज में सोमवार को हेपेटाइटिस बी डायलिसिस मशीन का शुभारंभ किया गया। यहाँ इस मशीन की स्थापना करने की कोई योजना नहीं थी।इसके बावजूद एसबीआई के सेवानिवृत्त प्रबंधक पीपी सिंह ने अथक प्रयास कर इसे मरीजों के हितों को देखते हुए लगवाने की मन में योजना बनाई। फिर क्या था पार्टी व संगठन के पदाधिकारियों ने सहयोग करने की बात कही। प्रदेश के डिप्टी सीएम/स्वास्थ मंत्री ब्रजेश पाठक से अनुरोध कर हुए पत्राचार की स्वीकृत दिलाई जिसका नतीजा यह रहा कि करीब दस लाख रू की लागत से इस मशीन की स्थापना कराई गई जो आज से क्रिया शील हो गई। मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। इसकी पहल करने वाले बैंक के पूर्व प्रबंधक पीपी सिंह ने बताया कि बड़े अथक प्रयास व सहयोग से सफलता मिली है। जिले वासियो ने इस मशीन की स्थापना व संचालन पर खुशी जताई है। भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक प्रतिपाल सिंह के निरंतर प्रयास एवं डॉ. रमा शंकर मिश्रा के मार्गदर्शन और डॉ. डी.एस.मिश्रा के स्वास्थ्य मंत्रालय में सहयोग से सुल्तानपुर जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस बी मैरीजॉन के लिए डायलिसिस मशीन की बड़ी सौगात प्राप्त हुई ।

महिला सुरक्षा को लेकर मिशन शक्ति की पहल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय/सुल्तानपुर। महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को बल्दीराय क्षेत्र के विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक किया और किसी भी विपरीत परिस्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बल्दीराय के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक बल्दीराय महेन्द्र प्रताप सिंह की देखरेख में मिशन शक्ति टीम ने भगवानदीन सिंह इंटर कॉलेज, दैहली बाजार तथा राजकीय हायर सेकेंडरी इंटर कॉलेज कनकपुर, देहली बाजार पहुंचकर छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। मिशन शक्ति टीम में राजदेव यादव, महिला कांस्टेबल जया सेन एवं कांस्टेबल अंकित साहू शामिल रहे। टीम ने छात्राओं को सरकार द्वारा संचालित 1090, 181, 112, 108, 102, 1076, 1098 एवं 1930 हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग और उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। छात्राओं को समझाया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा आपात स्थिति में बिना भय के संबंधित हेल्पलाइन या पुलिस की सहायता ली जा सकती है।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू एंटी रोमियो स्क्वाड को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए छात्राओं से सुझाव एवं फीडबैक लेना रहा। पुलिस टीम ने पार्क, चौराहों, नुक्कड़, गलियों और छात्राओं के आवागमन वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था तथा एंटी रोमियो स्क्वाड की सक्रियता के संबंध में छात्राओं से जानकारी प्राप्त की। इसके लिए फीडबैक फार्म भी उपलब्ध कराए गए। पुलिस की इस पहल का उद्देश्य केवल जागरूकता तक सीमित न रहकर छात्राओं से सीधे संवाद के माध्यम से जमीनी स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं को समझना और महिला सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाना रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को भरोसा दिलाया गया कि उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल पुलिस तक पहुंचाई जा सकती है।

संक्षेप

यूजीसी–आरक्षण के मुद्दे पर सवर्ण परिषद का शंखनाद

बरौंसा/सुल्तानपुर। यूजीसी, आरक्षण और एससी-एसटी एक्ट जैसे मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद की सुल्तानपुर टीम ने आगामी कार्यक्रमों की तैयारी तेज कर दी है। संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आज 8 सितंबर मंगलवार को बरौंसा चौराहे के कादीपुर रोड स्थित मां गायत्री स्वीट्स में आयोजित होगी। बैठक में विभिन्न अहम मुद्दों पर चर्चा के साथ जयसिंहपुर तहसील में एसडीएम को ज्ञापन सौंपने की तारीख भी तय की जाएगी। राष्ट्रीय सवर्ण परिषद की ओर से अधिक से अधिक संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बैठक में पहुंचने की अपील की गई है। संगठन के अनुसार बैठक में यूजीसी से जुड़े विषयों, आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही आगामी कार्यक्रमों को लेकर संगठन की रणनीति पर भी चर्चा होगी। परिषद के पदाधिकारियों के मुताबिक जयसिंहपुर तहसील में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने की तैयारी की जा रही है। ज्ञापन कार्यक्रम की तारीख और आगे की कार्ययोजना बैठक में स्पष्ट की जाएगी। ऐसे में 8 सितंबर की बैठक को संगठन के आगामी अभियान की दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। परिषद ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है। संगठन का कहना है कि सामूहिक विचार-विमर्श के बाद आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्य दुबे ने दी जानकारी।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सुलतानपुर। 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए सोमवार को जिला जज सुनील कुमार (चतुर्थ) ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन के माध्यम से रैली निकालकर आम जनमानस को अपने वादों के निस्तारण के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर नोडल अधिकारी राकेश पांडे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी, एडीजे संध्या चौधरी, एडीजे विजय कुमार गुप्ता, एलएडीसी अधिवक्ता तारकेश्वर सिंह, नागेंद्र सिंह, रुचि पांडेय समेत कई अधिवक्ता व पैरालीगल वालंटियर ओमप्रकाश शुक्ला, योगेश कुमार यादव, सर्वेश सिंह, सुनील राठौर,गगन, आशु सिंह, अनुराग मिश्रा, दशरथ, विपिन सिंह, साहिल आदि मौजूद रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी ने बताया कि 12 सितंबर 2026 शनिवार को प्रातः 10 बजे से प्रदेश के सभी जनपदों में राष्ट्रीय लोक अदालत लगेगी। यह विवादों के सरल समाधान का स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने बताया कि सुलह समझौतों से विवादों का समाधान होगा।

स्कूल गई नौ वर्षीय छात्रा की संदिग्ध मौत

सुल्तानपुर। कोतवाली देहात क्षेत्र के नेकराही गांव में सोमवार दोपहर नौ वर्षीय स्कूली छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह स्वस्थ हालत में स्कूल गई बच्ची दोपहर में अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मृत मिली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। नेकराही निवासी अकबर अली की नौ वर्षीय बेटी माहिरा कक्षा एक की छात्रा थी। वह रोज की तरह सोमवार सुबह बस से वाई.एस. कॉन्वेंट स्कूल गई थी। परिजनों के मुताबिक, दोपहर करीब तीन बजे स्कूल से फोन आया कि माहिरा की तबीयत अचानक खराब हो गई है। परिजन स्कूल पहुंचने के लिए निकले ही थे कि उन्हें जानकारी मिली कि बच्ची को अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर माहिरा इमरजेंसी वार्ड के एक बेड पर मृत पड़ी मिली। माहिरा के दादा मोहम्मद अली का आरोप है कि अस्पताल कर्मियों से पूछताछ में पता चला कि दो लोग बच्ची को अस्पताल लेकर आए थे। दोनों उसे बेड पर छोड़कर वहां से चले गए। अस्पताल के रिकॉर्ड में भी बच्ची को लाने वालों का नाम दर्ज नहीं था। परिजनों का आरोप है कि बच्ची को भर्ती कराने के बजाय उसे लावारिस हालत में छोड़ दिया गया। परिजनों का कहना है कि माहिरा सुबह बिल्कुल स्वस्थ थी। उसे पहले से कोई बीमारी नहीं थी और न ही किसी तरह की दवा चल रही थी। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन की ओर से भी कोई जिम्मेदार व्यक्ति अस्पताल नहीं पहुंचा, जिससे परिजनों में आक्रोश है। सूचना पर पुलिस-प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई।

पद गया लेकिन दखल बरकरार: राम मंदिर में चंपत राय की एंट्री! बंद कमरे में तीन घंटे तक की बैठक, दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की रकम चोरी किए जाने की घटना के करीब ढाई महीने बाद पूर्व महासचिव चंपत राय रविवार को फिर मंदिर परिसर पहुंचे। पद से विदाई और ट्रस्ट की नई टीम के गठन के बाद पहली बार मंदिर परिसर में उनकी इस तरह सक्रिय मौजूदगी सामने आई। चंपत राय ने ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के साथ यात्री सेवा केंद्र पहुंचकर यहां तैनात 12 से अधिक कर्मचारियों के साथ करीब तीन घंटे तक बंद कमरे में व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

इसके बाद दोनों ने यात्री सेवा केंद्र, दर्शन मार्ग और निकास मार्ग के आसपास सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को लेकर 34 सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। मंदिर में चढ़ावे की रकम से जुड़ी चोरी की घटना के बाद व्यवस्थाओं में बदलाव और निगरानी बढ़ाने को लेकर लगातार मंथन चल रहा है। इसी बीच चंपत राय का अचानक मंदिर परिसर पहुंचना और कर्मचारियों के साथ लंबी चर्चा करना कई सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, ट्रस्ट में उनका औपचारिक पद अब नहीं है, लेकिन रविवार की गतिविधि से साफ है कि मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर उनका अनुभव अब भी अहम माना जा रहा है।

औपचारिक वापसी की संभावनाएं नहीं

चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र की ट्रस्ट में औपचारिक वापसी की संभावनाएं नई नियुक्तियों के बाद लगभग खत्म मानी जा रही हैं। बावजूद इसके मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़े अहम विषयों पर चंपत राय की सक्रियता यह संकेत दे रही है कि पद भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन ट्रस्ट उनके लंबे अनुभव का इस्तेमाल अनौपचारिक स्तर पर करता रहेगा।

कर्मचारियों से कहा- एक स्थान से न खरीदें कैमरे

यात्री सेवा केंद्र में चर्चा के दौरान सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी कैमरों की खरीद को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। कर्मचारियों से कहा गया कि सभी कैमरे किसी एक स्थान से नहीं खरीदे जाएं। एक कर्मी ने बताया कि चंपत राय के कुछ मेहमान दक्षिण भारत से अयोध्या आए थे, चंपत उन्हीं से मिलने के लिए यात्री सेवा केंद्र पहुंचे थे। इस संबंध में राम मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने कहा कि उन्हें चंपत राय के यात्री सेवा केंद्र जाने और कर्मियों संग चर्चा करने की कोई जानकारी नहीं है।

डीएम ने कई वर्षों से जमे बाबूओं के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल

ुल्तानपुर। जिले के राजस्व महकमे में कई वर्षों से जमे बाबूओं का कार्यों में फेरबदल अधिवक्ताओं की शिकायत पर जिलाधिकारी ने किया है। अभी भी कई वर्षों से कलेक्ट्रेट व तहसीलों में जमे बाबूओं की बल्ले बल्ले हैं।

सोमवार को हुए तबादले में एडीएम एफआर कोर्ट पर तैनात पेशकार को कादीपुर, सीआरओ कोर्ट से आत्मा राम पांडेय को एडीएम एफआर कोर्ट, संजय सेन को एसडीएम सदर से लंभुआ, मो.दानिश को पेशकार सदर, जयसिंहपुर रहे शहंशाह आलम को सीआरओ कोर्ट, एडीएम प्रशासन के यहां हर्षद सिंह कादीपुर से आए है यहां रहे रतन भीम को जयसिंहपुर, मो. असलम नायब नाजिर बल्दीराय, अतिरिक्त अधिकारी के यहां नवीन मौर्य(कादीपुर से),तहसीलदार सदर के पेशकार रहे राजेंद्र कन्नौजिया कादीपुर, यहां बल्दीराय से उमेश सिंह ने कमान संभाली है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में लखनऊ देश में प्रथम, वार्ड-70 भी राष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित गंगा ऑडिटोरियम, इंदिरा पर्यावरण भवन में आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की। सिटी लेवल स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में लखनऊ को नेशनल लेवल बेस्ट परफॉर्मिंग सिटीज में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि के लिए लखनऊ को 1.50 करोड़ रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इसके साथ ही लखनऊ नगर निगम के जोन-4 स्थित वार्ड संख्या 70 ने भी 30 हजार से अधिक आबादी वाले वार्डों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वार्ड-70 को नेशनल बेस्ट परफॉर्मिंग वार्ड प्रथम, श्रेणी-1 के रूप में चुना गया और इसके लिए 50 लाख रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।पुरस्कार ग्रहण करने के अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव तथा पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान उपस्थित रहे। लखनऊ को यह सम्मान राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार तथा मंत्रालय एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया।लखनऊ को यह उपलब्धि वायु प्रदूषण कम करने और शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए नगर निगम द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के आधार पर मिली है। डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण के लिए करीब 1,100 इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें संकरी गलियों के लिए छोटे ई-ऑटो टिपर भी शामिल हैं। वाहनों की निगरानी जीपीएस के माध्यम से की जाती है और इसके लिए अलग नियंत्रण एवं कमान केंद्र बनाया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 12 चार्जिंग स्टेशन और 916 चार्जिंग प्वाइंट भी उपलब्ध कराए गए हैं।सड़क की धूल और प्रदूषण को कम करने के लिए शहर में 97 इलेक्ट्रिक यांत्रिक सफाई मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इनके माध्यम से प्रमुख सड़कों की सफाई के साथ पानी का छिड़काव भी किया जाता है। नगर निगम द्वारा 559.85 किलोमीटर सड़कों को अंतिम छोर तक पक्का किया गया है, जिससे सड़क से उड़ने वाली धूल में कमी आई है।कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में भी लखनऊ ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए 2,550 टन प्रतिदिन क्षमता विकसित की गई है और शत-प्रतिशत वैज्ञानिक कचरा प्रसंस्करण की व्यवस्था की गई है। ताजा कचरे की डंपिंग बंद की गई है। कंपैक्टर स्थानांतरण केंद्रों के कारण कचरा ढोने वाले वाहनों के चक्कर भी कम हुए हैं। पहले प्रतिदिन करीब 240 चक्कर लगते थे, जो अब घटकर लगभग 150 रह गए हैं। इससे वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आई है।निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाले मलबे के निस्तारण के लिए अलग संग्रह केंद्र और 300 टन प्रतिदिन क्षमता का सीएंडडी कचरा प्रसंस्करण संयंत्र संचालित किया जा रहा है। अवैध रूप से मलबा फेंकने वालों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है।शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए वर्टिकल गार्डन, सड़क किनारे और नदी किनारे हरित क्षेत्र विकसित किए गए हैं। वन विभाग द्वारा मियावाकी पद्धति से पौधरोपण किया गया है। यातायात जाम कम करने के लिए फ्लाईओवर निर्माण और सड़क चौड़ीकरण जैसे कार्य भी किए गए हैं। स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए शहर में 140 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है।इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, वाहनों की फिटनेस के प्रति जागरूकता, रूफटॉप सौर ऊर्जा के विस्तार तथा एलपीजी और पीएनजी जैसे स्वच्छ ईंधन की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर निगरानी की जा रही है। नालों की नियमित सफाई, नालों के आउटलेट पर जाली लगाने, नदियों में ठोस कचरा जाने से रोकने और एकल उपयोग प्लास्टिक के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई है।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ को प्रथम स्थान मिलना पूरे शहर के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व, मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग को दिया। उन्होंने नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के मार्गदर्शन के लिए भी आभार व्यक्त किया।महापौर ने कहा कि यह उपलब्धि केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि पूरे लखनऊ की जनता की है। शहरवासियों के सहयोग और जागरूकता के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। उन्होंने नगर निगम के पार्षदों, अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास, मेहनत और समर्पण से लखनऊ राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने में सफल हुआ है। नगर निगम आगे भी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए लखनऊ को स्वच्छ, सुंदर, हरित और बेहतर शहर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

○ संक्षेप ○

बीकेटी में अज्ञात वाहन की टक्कर से दो माह के शिशु की मौत

लखनऊ। थाना बीकेटी क्षेत्र के ग्राम रामपुर बेहड़ा निवासी रामकुमार अपनी पत्नी अंजलि और करीब दो माह 15 दिन के पुत्र ऋषि कुमार को मोटरसाइकिल से उपचार के लिए 100 शैय्या अस्पताल, साढ़ामऊ जा रहे थे। इसी दौरान लखनऊ-सीतापुर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों सड़क पर गिर गए।पुलिस के अनुसार घटना सोमवार रात करीब 9:30 बजे की है। बताया गया कि रामकुमार मोटरसाइकिल से गलत दिशा में जा रहे थे, इसी दौरान लखनऊ से सीतापुर की ओर जा रहे अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे के बाद रामकुमार स्वयं अपनी पत्नी और पुत्र को उपचार के लिए 100 शैय्या अस्पताल, साढ़ामऊ, बीकेटी ले गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनके पुत्र ऋषि कुमार को मृत घोषित कर दिया।पुलिस के मुताबिक मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही अज्ञात वाहन के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर शांति एवं कानून-व्यवस्था सामान्य है।

सुशांत गोल्फ सिटी में अपहरण कर हत्या के मामले में 50 हजार का इनामी अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। थाना सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में धीरेंद्र प्रताप सिंह के अपहरण एवं हत्या की घटना में शामिल 50 हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र के आधार पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त को सोमवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जय किशन पुत्र बैजनाथ, निवासी मानपुर डेहवा, थाना जैतपुर, जनपद बाराबंकी, हाल पता पटेल नगर, निलमथा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ, उम्र करीब 25 वर्ष के रूप में हुई है। अभियुक्त पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 7,300 रुपये नकद तथा पीली धातु की एक अंगूठी, जिसमें पारदर्शी नग लगा हुआ है, बरामद की है। पुलिस के अनुसार अंगूठी मृतक की बताई गई है।अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

काकोरी में 63 वर्षीय महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ। थाना काकोरी क्षेत्र के ग्राम तेजकिशन खेड़ा में 63 वर्षीय महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर डायल-112 के माध्यम से पुलिस को जानकारी दी गई, जिसके बाद थाना काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान सूरसती पत्नी भवानी रावत, निवासी तेजकिशन खेड़ा, थाना काकोरी, लखनऊ, उम्र करीब 63 वर्ष के रूप में हुई है। वह कमरे के अंदर कपड़े टांगने के लिए लगी मोटी बल्ली में प्लास्टिक की रस्सी बांधकर फंदे से लटकी मिलीं। परिजनों की मौजूदगी में घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराई गई और बल्ली में बंधी रस्सी को कटवाकर शव को नीचे उतरवाया गया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका अपने पति से अलग कमरे में अकेली रहती थीं। उनके बगल वाले कमरे में उनकी पुत्री संगीता रहती हैं। बताया गया कि संगीता तालाब गई थीं। वापस लौटने पर उन्होंने अपनी मां को फंदे से लटका हुआ देखा और इसके बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार मामले में नियमानुसार आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सहारनपुर जाने से रोके जाने पर अजय राय सहित सैकड़ों कांग्रेसजन गिरफ्तार, इको गार्डेन धरने में हुए शामिल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ध्वस्तीकरण की घटना के संबंध में मस्जिद कमेटी के सदस्यों और पीड़ितों से मुलाकात करने जा रहे थे। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से निकलते ही माल एवेन्यू चौराहे पर तैनात भारी पुलिस बल ने उन्हें सहारनपुर जाने से रोक दिया। पुलिस की कार्रवाई का वहां मौजूद कांग्रेसजनों ने विरोध किया।सहारनपुर जाने से रोके जाने के बाद अजय राय चौराहे पर ही सड़क पर बैठ गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में कांग्रेसजन वहां एकत्र हो गए। इसके बाद भारी पुलिस बल ने अजय राय सहित सैकड़ों कांग्रेसजनों को गिरफ्तार कर बसों में बैठाकर पुलिस लाइन पहुंचाया। काफी देर बाद सभी को छोड़ दिया गया।अजय राय ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार जनआकांक्षाओं पर पूरी तरह विफल साबित हुई है और इसी कारण वह डरी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां भी कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता पीड़ितों की आवाज उठाने तथा उनके दुख-दर्द में शामिल होने पहुंचते हैं, उन्हें रास्ते में रोक दिया जाता है। यह लोकतंत्र और संविधान की भावना के विरुद्ध है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर जा रहा था और उन्हें भी वहां पहुंचना था, लेकिन सरकार उन्हें जाने से रोक रही है। रास्ता रोका जा सकता है, लेकिन आवाज नहीं दबाई जा सकती। कांग्रेस पार्टी पीड़ितों की लड़ाई हमेशा लड़ती रहेगी।पुलिस लाइन से रिहा होने के बाद अजय राय सहित कांग्रेसजन इको गार्डेन पहुंचे और वहां उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग द्वारा चलाए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने में शामिल हुए। धरने का सोमवार को सातवां दिन था।यह धरना कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुई जनसभा के बाद मंच का भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से शुद्धिकरण किए जाने के मामले में दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने तथा राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग को लेकर चल रहा है। अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन एवं सांसद तनुज पुनिया के नेतृत्व में कांग्रेसजन इको गार्डेन में अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं।धरने में पूर्व विधायक भगौती प्रसाद चौधरी, पूर्व विधायक इन्दल रावत, असीम वकार, बद्री विशाल तिवारी, सलीम अख्तर, अब्दुल्ला शेर खान, मौलाना इस्लाही, डॉ. अलीमुल्लाह खान, अरशद आजमी, डॉ. उमा शंकर पाण्डेय, सुरेन्द्र यादव, ओंकारनाथ सिंह, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, राजेश जायसवाल, जिलाध्यक्ष रूद्रदमन सिंह बबलू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

संजय सिंह ने कांग्रेस पर आप के संगठन को लेकर भ्रामक खबर फैलाने का लगाया आरोप

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस द्वारा आम आदमी पार्टी के संगठन को लेकर कथित रूप से भ्रामक खबरें फैलाए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने जिन लोगों को आम आदमी पार्टी के किसान प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महासचिव बताते हुए पार्टी में शामिल कराया है, उन पदों पर संबंधित व्यक्ति आप के संगठन में नहीं हैं।संजय सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि कुछ समाचार पत्रों और सोशल मीडिया माध्यमों पर यह खबर प्रसारित की जा रही है कि आम आदमी पार्टी किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विवेक पांडे, प्रदेश महासचिव संजय मिश्रा और कुछ अन्य लोग कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

देश में लखनऊ की हवा सबसे साफ....एयर क्वालिटी में नंबर-1 रैंक, मिला सम्मान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित गंगा ऑडिटोरियम, इंदिरा पर्यावरण भवन में आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सिटी लेवल स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) में लखनऊ को नेशनल लेवल बेस्ट परफॉर्मिंग सिटीज में रैंक-1 प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि के लिए लखनऊ को सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही लखनऊ नगर निगम के जोन-4 स्थित वार्ड संख्या 70 को भी बड़ी उपलब्धि मिली है। 30 हजार से अधिक जनसंख्या वाले वार्डों की श्रेणी में वार्ड-70 को देश का सर्वश्रेष्ठ नंबर-1 वार्ड चुना गया और सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहण करने के लिए मंच पर महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव तथा पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान उपस्थित रहे। लखनऊ नेशनल क्लीन एयर सिटी रैंक-1, कैटेगरी-1 के तहत लखनऊ को 1 करोड़ 50 लाख रुपये का नगद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इसके लिए लखनऊ नगर निगम को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही लखनऊ नगर निगम के जोन-4 स्थित वार्ड संख्या 70 ने भी बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 30 हजार से अधिक जनसंख्या वाले वार्डों की श्रेणी में वार्ड-70 को नेशनल बेस्ट परफॉर्मिंग वार्ड रैंक-1, कैटेगरी-1 प्राप्त हुई। इस उपलब्धि के लिए वार्ड-70 को 50 लाख रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। लखनऊ को यह सम्मान राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री प्रकाश श्रीवास्तव, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार, मंत्रालय में वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव सुशील कुमार अवस्थी, अपर सचिव आशुतोष अग्निहोत्री तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अपर सचिव एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ। अमनदीप गर्ग द्वारा प्रदान किया गया।

इन प्रयासों से मिली लखनऊ को नंबर-1 की रैंक

लखनऊ को यह उपलब्धि वायु प्रदूषण कम करने और शहर की हवा को स्वच्छ बनाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार किए गए कार्यों के आधार पर मिली है। नगर निगम ने इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल, सड़क की धूल को कम करने, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, हरियाली बढ़ाने और यातायात व्यवस्था में सुधार जैसे क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर काम किया। डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण के लिए लखनऊ नगर निगम द्वारा करीब 1,100 इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें संकरी गलियों में कूड़ा संग्रहण के लिए छोटे ई-ऑटो टिपर भी शामिल हैं। इन वाहनों की निगरानी जीपीएस के माध्यम से की जाती है और इसके लिए अलग कंट्रोल कमांड सेंटर बनाया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 12 चार्जिंग स्टेशन और 916 चार्जिंग प्वाइंट की व्यवस्था भी की गई है।

सड़क की धूल कम करने पर विशेष जोर

शहर में सड़क की धूल और प्रदूषण कम करने के लिए 97 इलेक्ट्रिक मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। इन मशीनों के माध्यम से प्रमुख सड़कों की सफाई के साथ पानी का छिड़काव भी किया जाता है, जिससे हवा में उड़ने वाली धूल को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा नगर निगम द्वारा 559।85 किलोमीटर सड़कों को एंड-टू-एंड पक्का किया गया है, जिससे सड़कों से उड़ने वाली धूल में कमी आई है।

मऊ में विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों का मंत्री ए.के. शर्मा ने किया शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने रविवार देर शाम मऊ जनपद में विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने बलिया मोड़ तिराहा स्थित पटेल उपवन में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के आसपास कराए गए विकास कार्यों, गाजीपुर तिराहा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण, मऊ बस स्टैंड स्थित स्वतंत्रता सेनानी अलगू राय शास्त्री की प्रतिमा स्थल तथा मिर्जाहादीपुर चौक पर स्थापित ट्राई कलर मिरर एवं कॉलम लाइट का शुभारंभ किया।ए.के. शर्मा ने कहा कि मऊ शहर को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों और सार्वजनिक स्थलों का योजनाबद्ध ढंग से विकास एवं सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर वातावरण के साथ सुविधाजनक और आकर्षक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकें।उन्होंने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं हमारी प्रेरणा और गौरव का प्रतीक हैं। ऐसे स्थलों का विकास और सौंदर्यीकरण केवल शहर की सुंदरता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे नई पीढ़ी को महापुरुषों के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित कराने का अवसर भी मिलता है।नगर विकास मंत्री ने कहा कि सरकार का मूल उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और शहरों में ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां लोगों को आवागमन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा सार्वजनिक सुविधाओं के स्तर पर किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिसका कर दिया था अंतिम संस्कार, 2 साल बाद जिंदा लौटी वो बिटिया... देखते ही परिवार के उड़े होश, अब सामने है ये पहेली

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब (BKT) इलाके से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने उत्तर प्रदेश पुलिस की जांच प्रणाली और परिजनों की शिनाख्त पर सबसे बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। जिस 28 वर्षीय युवती को दो साल पहले मृत मानकर परिवार ने रोते-बिलखते भैंसाकुंड घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया था, वह 5 सितंबर 2026 को अचानक अपने घर की चौखट पर आकर खड़ी हो गई। जिंदा बेटी को आंखों के सामने देखकर मां-बाप के होश उड़ गए और पूरे इलाके में यह खबर आग की तरह फैल गई।

अब सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह उठ रहा है- यदि शिवानी जिंदा है, तो दो साल पहले नाले में मिली जिस महिला का अंतिम संस्कार किया गया था, वह कौन थी? जानकारी के अनुसार, बीकेटी के नवीकोट नंदना निवासी सर्वेश सिंह (उर्फ हीगू) की बेटी शिवानी की शादी 22 अप्रैल 2020 को सीतापुर के सकतापुर निवासी आनंद सिंह से हुई थी। शादी के बाद ससुराल वालों ने बीकेटी के भीखापुर में नया मकान बनाया। आरोप है कि कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष के लोग शिवानी से प्लॉट की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगे। विवाद बढ़ने पर मायके वालों ने शिवानी को अपने पास बुला लिया और वापस भेजने से इनकार कर दिया।

2 मई 2024 को शिवानी यह कहकर घर से निकली कि वह भीखापुर जाकर अपना पहचान पत्र लाएगी और इंदौराबाग सीएचसी में पेट दर्द का इलाज कराएगी। लेकिन वह उस दिन शाम तक वापस नहीं लौटी। ससुराल और रिश्तेदारों के यहाँ काफी खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो 4 मई 2024 को बीकेटी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

कलावे और अंगूठी ने कराई थी गलत पहचान

शिवानी की गुमशुदगी के करीब ढाई महीने बाद, 16 जुलाई 2024 को सैरपुर थाना क्षेत्र में आईआईएम रोड के पीछे एक नाले में सड़-गल चुकी स्थिति में अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों ने शव के हाथ में बंधे कलावे और उंगली में पहनी अंगूठी को देखकर उसे शिवानी मान लिया।

पुलिस ने पहचान की आधिकारिक पुष्टि के लिए डीएनए सैंपल (DNA Sample) तो लिया था, लेकिन रिपोर्ट आने का इंतजार किए बिना ही परिजनों की लिखित शिनाख्त पर शव सौंप दिया गया, जिसके बाद भैंसाकुंड में उसका अंतिम संस्कार संपन्न करा दिया गया।

2 साल बाद लौटी शिवानी, पुलिस महकमे में हड़कंप

5 सितंबर 2026 की शाम को जब शिवानी अचानक अपने गांव नवीकोट नंदना स्थित घर पहुंची, तो उसे सामने देखकर परिवार अवाक रह गया। जिस बेटी को वे खो चुके थे और जिसकी आत्मा की शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठान कर चुके थे, वह जीवित खड़ी थी। परिजनों ने तत्काल बीकेटी और स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचित किया।

शिवानी 2 साल तक कहां थी?

पुलिस अब शिवानी से पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि मई 2024 में घर से निकलने के बाद वह इतने महीनों तक कहां और किस परिस्थिति में रही, और उसने अपने परिवार से संपर्क क्यों नहीं किया?

नाले में मिला शव किसका था और उसकी हत्या किसने की?

जिस महिला का अंतिम संस्कार भैंसाकुंड में कर दिया गया, वह आखिर कौन थी? क्या वो किसी अन्य जगह से गायब हुई महिला थी जिसकी हत्या कर शव नाले में फेंका गया था? पुलिस को अब दो साल पुराने उस अंधे कत्ल की फाइल फिर से खोलनी पड़ेगी।

रेलकर्मियों और उनके परिवारों ने हर्षोल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता की उपस्थिति में बादशाहनगर स्थित मनोरंजन संस्थान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव श्रद्धा, हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।कार्यक्रम में करीब 350 रेलकर्मियों, उनके परिवारजनों तथा स्काउट्स एंड गाइड्स जिला संघ, लखनऊ के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उत्सव के दौरान योगेश्वर श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। विधिवत आरती एवं पूजा-अर्चना के बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने केक काटकर कान्हा जी का जन्मदिन मनाया।इस अवसर पर बच्चों, स्काउट्स एंड गाइड्स तथा रेलकर्मियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक नृत्य और मनोरंजक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नक्सलमुक्त क्षेत्रों में शिक्षा की नई भोर

छत्तीसगढ़ के पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद स्कूलों में घंटियां बजने लगी हैं, जो इस शिक्षक दिवस पर बस्तर और उसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक बदलाव का प्रतीक है। जहाँ कभी बारूद की गंध और बंदूक की आवाजें हुआ करती थीं, वहाँ अब बच्चे राष्ट्रगान गा रहे हैं।

5 सितंबर को देशभर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 'शिक्षक दिवस' की धूमधाम रहेगी। इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ का बस्तर और अन्य दूरस्थ अंचल एक नई उम्मीद के साथ मुस्कुरा रहा है। कभी बंदूक के साए और नक्सली खौफ के कारण दशक भर से बंद पड़े स्कूल आज फिर से गुलजार हो चुके हैं। दूर-दराज के गांवों में जब वर्षों बाद फिर से स्कूल की घंटी बजती है, तो वह केवल पढ़ाई की शुरुआत नहीं होती, बल्कि उस क्षेत्र में लौटते लोकतंत्र, शांति और सुरक्षा की गूंज होती है।

छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास, सुरक्षा और जन कल्याणकारी नीतियों ('नियद नेल्ला नार' जैसी योजनाओं) के प्रभाव से दक्षिण बस्तर के सुदूर नक्सल प्रभावित इलाकों में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे जिलों में लगभग दो से ढाई दशकों से बंद पड़े 600 से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को जिला प्रशासन और पुलिस बल के सहयोग से दोबारा खोल दिया गया है। जो इमारतें कभी नक्सलियों द्वारा ध्वस्त कर दी गई थीं या सुरक्षा बलों के कैंप के लिए इस्तेमाल होती थीं, उन्हें फिर से संवारकर बाल-सुलभ रूप दिया गया है।

नक्सलमुक्त होते क्षेत्रों में शिक्षा की लौ जलाने का वास्तविक श्रेय उन स्थानीय शिक्षकों को जाता है, जिन्होंने विपरीत और भयावह परिस्थितियों के बावजूद अपना कर्तव्य नहीं छोड़ा।

स्थानीय भाषा में अध्यापनः दूरस्थ वनांचल में नियुक्त शिक्षक न केवल बच्चों को बुनियादी अक्षर ज्ञान दे रहे हैं, बल्कि गोंडी, हलबी और डोरली जैसी स्थानीय बोलियों में संवाद कर बच्चों का स्कूल से जुड़ाव मजबूत कर रहे हैं।

समुदाय से संवादः शिक्षकों ने ग्रामीणों और नक्सलियों के डर से सहमे अभिभावकों के बीच जाकर उनका विश्वास जीता, जिससे आज सैकड़ों बच्चे वापस ब्लैकबोर्ड और किताबों से जुड़ चुके हैं।

बस्तर संभाग के बीजापुर (जैसे पीड़ियि, गंपूर, तमोड़ी गांव) और सुकमा के कई अंदरूनी इलाकों में सालों से बंद पड़े स्कूलों को दोबारा खोला गया है। नक्सलियों द्वारा जिन पक्के स्कूल भवनों को आईईडी से उड़ा दिया गया था, वहाँ ग्रामीणों ने प्रशासन के साथ मिलकर अस्थायी बांस और तिरपाल की झोपड़ियिं (छप्पर) तैयार की हैं ताकि बच्चों की पढ़ाई न रुके। स्थानीय भाषाओं (जैसे गोंडी, हल्बी) की चुनौती से निपटने और बच्चों में विश्वास जगाने के लिए स्थानीय शिक्षित युवाओं को शिक्षा दूत के रूप में नियुक्त किया गया है, जो इस शिक्षक दिवस के असली नायक हैं। पुनः संचालित हो रहे स्कूलों में अब केवल पुरानी लीक पर पढ़ाई नहीं हो रही है। राज्य शासन द्वारा इन स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं:

स्मार्ट क्लासेस और टैबलेटः कई वनांचल स्कूलों में डिजिटल कंटेंट और टैबलेट के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है।

खेलकूद और न्योता भोजनः स्कूलों में मध्याह्न भोजन (न्योता भोजन) के साथ-साथ खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई है, जिससे बच्चों की उपस्थिति में भारी उछाल आया है।

सुरक्षित माहौलः नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत कैंपों के आसपास सुरक्षा का दायरा बढ़ने से शिक्षक बिना किसी खौफ के रोजाना स्कूल पहुंच रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में इस बार का शिक्षक दिवस उन शिक्षकों को समर्पित है जो राज्य के सबसे कठिन और दुर्गम क्षेत्रों में 'शिक्षादूत' बनकर कार्य कर रहे हैं। बंदूक की आवाज को दबाकर जब कलम और किताब की ताकत आगे बढ़ती है, तो समाज की नई तस्वीर बनती है। छत्तीसगढ़ के नक्सलमुक्त इलाकों मं। गूंजती स्कूलों की घंटी इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि शिक्षा ही बदलाव और शांति की सबसे मजबूत नींव है।

उत्तर प्रदेश 2027: चुनावी बिसात और बदलते समीकरण

सपा की इस रणनीति के जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी खामोश नहीं बैठी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी संगठन मशीनरी को पूरी तरह से चुनावी मोड में डाल दिया है।

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति को भारतीय लोकतंत्र का हृदयस्थल माना जाता है। दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ के गलियारों से होकर गुजरता है, यही कारण है कि देश के इस सबसे बड़े सूबे में होने वाली हर छोटी-बड़ी राजनीतिक हलचल का असर राष्ट्रीय फलक पर साफ दिखाई देता है। वर्ष 2026 की समाप्ति के करीब आते ही और 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच शह-मात का खेल पूरी तरह से शुरू हो चुका है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने सूबे की राजनीतिक जमीन को जो नई शक्ल दी थी, उसके बाद हर दल अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटा है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश की सत्ता पर काबिज होकर इतिहास रचने की कवायद में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी अपने 'PDA' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के सहारे दस साल के सत्ता के वनवास को खत्म करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इस बार का चुनाव केवल पारंपरिक नारों या वादों पर आधारित नहीं रहने वाला, बल्कि यह जमीन पर रची जा रही नई सामाजिक और गठबंधन राजनीति की प्रयोगशाला बनने जा रहा है। इतिहासकितावें खोजें

इस राजनीतिक उठापटक और नए समीकरणों के निर्माण के बीच हाल ही में लखनऊ से एक बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक खबर सामने आई, जिसने राज्य के सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तथा कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच लखनऊ में लगभग 90 मिनट यानी डेढ़ घंटे तक चली बंद कमरे की मैराथन मुलाकात ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस मुलाकात के मायने केवल एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह 2027 के महासमर से पहले उत्तर प्रदेश की युवा और छात्र राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। आशुतोष रांका और अखिलेश यादव के बीच हुई इस चर्चा के केंद्र में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के नौजवानों के मुद्दे, लगातार होती परीक्षाओं के पेपर लीक, बेरोजगारी, छात्रों की समस्याएं और उच्च शिक्षा में आ रही गिरावट जैसे विषय शामिल रहे। पार्टी के भीतर और बाहर इस मुलाकात को 'प्लान 2027' के एक अहम हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया और बेहद जागरूक मतदाता वर्ग तैयार हो चुका है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक 'जेन-जी' या पहली बार मतदान करने वाले युवा कहते हैं। यह युवा वर्ग पारंपरिक जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार, निष्पक्ष परीक्षाओं और आधुनिक अवसरों की मांग कर रहा है। अखिलेश यादव बखूबी जानते हैं कि केवल पारंपरिक मुस्लिम-यादव समीकरण या केवल सामान्य गठबंधनों के बूते भाजपा जैसी विशाल और साधन-संपन्न चुनावी मशीनरी को मात देना असंभव है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद सपा अब छोटे-छोटे वैचारिक समूहों, छात्र संगठनों और युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरों को अपने पाले में लाकर भाजपा के उस युवा वोट बैंक में सेंध लगाना चाहती है, जो कभी भगवा दल की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। रांका और अखिलेश यादव की यह मुलाकात इस बात की तस्दीक करती है कि विपक्ष इस बार युवाओं के आक्रोश को एक ठोस राजनीतिक वोट बैंक में बदलने की मुकम्मल तैयारी कर चुका है। हालांकि, इस मुलाकात पर भाजपा ने भी फौरन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि विपक्ष के पास कोई ठोस नीति या विकास का एजेंडा नहीं है, इसलिए वह केवल भ्रम फैलाने और छोटे-छोटे संगठनों के सहारे अपनी डूबती नैया बचाने का प्रयास कर रहा है। लेकिन राजनीति के जानकार इसे अलग नजरिए से देखते हैं। उनका मानना है कि उत्तर प्रदेश में जब भी कोई बड़ा सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसके मूल में युवाओं और छात्रों का आंदोलन या उनका असंतोष ही रहा है। ऐसे में सीजेपी जैसी युवा केंद्रित ताकतों और सपा का करीब आना भविष्य के एक नए और बड़े सामाजिक-राजनैतिक मोर्चे की बुनियाद रख सकता है। यदि हम उत्तर प्रदेश की समूची राजनैतिक बिसात पर नजर डालें, तो इस समय सबसे बड़ा टकराव नैरेटिव यानी विमर्श गढ़ने को लेकर चल रहा है। समाजवादी पार्टी ने इस बार 'आरक्षण' और 'संविधान' को अपनी राजनीति के केंद्र में रख दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष को 'संविधान बचाओ' के नारे से जो अप्रत्याशित लाभ मिला था, अखिलेश यादव उसे 2027 तक कायम रखना चाहते हैं। हालिया महीनों में उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की स्थिति, 69000 शिक्षक भर्ती का विवाद और पिछड़े-दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व को लेकर सपा ने एक आक्रामक रुख अख्तियार किया है। अखिलेश यादव लगातार जनसभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि वर्तमान सत्ताधारी दल दलितों और पिछड़ों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश रच रहा है। इस नैरेटिव के जरिए सपा सीधे तौर पर भाजपा के गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित वोट बैंक पर निशाना साध रही है, जिसने पिछले एक दशक से भाजपा की जीत में रीढ़ की हड्डी का काम किया है। सपा की इस रणनीति के जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी खामोश नहीं बैठी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी संगठन मशीनरी को पूरी तरह से चुनावी मोड में डाल दिया है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का ढांचा माना जाता है। पार्टी ने इस बार कागजी दावों को खारिज करते हुए हर एक बूथ कमेटी का भौतिक सत्यापन शुरू किया है। खासकर उन बूथों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जहां पिछले चुनाव में विपक्ष को बढ़त मिली थी। इसके साथ ही, भाजपा सरकार अपनी कानून-व्यवस्था की सख्त छवि, बुनियादी ढांचे का विकास (जैसे एक्सप्रेसवे और औद्योगिक गलियारे) और केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के एक बड़े नेटवर्क के भरोसे मैदान में उतर रही है। भाजपा का मानना है कि विकास और सुशासन का उनका यह 'डबल इंजन' मॉडल विपक्ष के जातिगत ध्रुवीकरण के प्रयासों को विफल कर देगा। लेकिन इस बार एनडीए गठबंधन के भीतर की आंतरिक खींचतान भी पूरी तरह सतह पर आ चुकी है। गठबंधन में शामिल छोटे दल जैसे निषाद पार्टी के डॉ. संजय निषाद, अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल और सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने और सीटों के सम्मानजनक बंटवारे के लिए भाजपा पर लगातार दबाव बना रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद के भावुक होने और आंसुओं के छलकने की घटना ने उत्तर प्रदेश की सियासत में भारी उबाल ला दिया था।

व्यंग्य

विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं

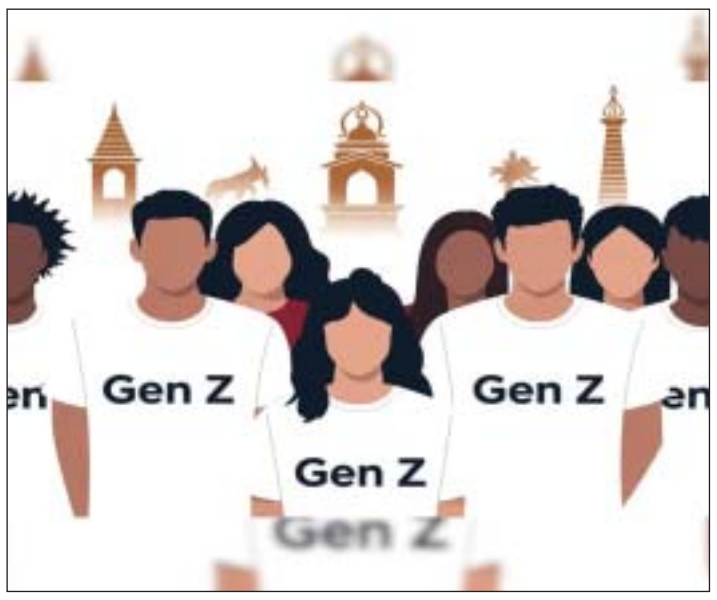

हकीकत से कटे नैरेटिव्स का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है।

भारत का राजनीतिक विमर्श काफी पहले शालीनता की हदें तोड़ चुका है, इसलिए इसमें नए अपशब्दों के जुड़ने पर शायद ही किसी को एतराज होता है। तीखे ध्रुवीकरण की मौजूदा सूरत में किसी नेता की टिप्पणियों को गरिमा-विहीन या मर्यादा के खिलाफ बता कर उसे घेरने की रणनीति का विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं होता। कई वर्षों तक इस नई स्थिति का लाभ भाजपा ने उठाया। भाजपा नेताओं को लेकर कुछ हलकों से तब भी ऐसे शब्द बोले जाते थे, लेकिन तब कथानक पर भाजपा इकॉ-सिस्टम का इतना दबदबा था, वे शब्द बोलने वाले को ही भारी पड़ जाते थे। लेकिन यह बदले माहौल का ही संकेत है कि ऐसे लफ्ज़ अब जनमत के एक बड़े हिस्से में नया राजनीतिक कथानक गढ़ने का काम करने लगे हैं।

भाजपा काफी समय तक विपक्षी नेताओं को प्रहसन-पात्र के रूप में पेश सियासी फायदे उठाती रही, मगर अब सोशल मीडिया- खासकर रील्स के इस्तेमाल से वैसी ही छवि उनके शीर्ष नेताओं को पेश की जा रही है, जिसे एक बड़ा श्रोता वर्ग मिल रहा है। बेशक, यह स्थिति लाने में ज़ेन-ज़ी के आंदोलनों ने बड़ी भूमिका निभाई है। भाजपा के सामने सवाल खड़ा है कि कहानी ऐसे क्यों पलटने लगी है? वे आत्म-मंथन करें, तो शायद उन्हें आभास होगा कि यथार्थ से कटे कथानकों का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं।

ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। हिंदुत्व की पहचान के साथ 'विश्व गुरु' की हैसियत दिलाने के वादों से वह छली गई महसूस कर रही है, तो उसकी वजहें हैं। ये पीढ़ी 'मेक इन इंडिया', 'नया भारत', 'देश बदल रहा है', 'अमृत काल', 'विकसित भारत' जैसे नारों को सुनते हुए जब बड़ी हुई, तो उसने पाया कि असल में उसके पास आगे बढ़ने के पहले जितने अवसर भी उपलब्ध नहीं हैं। तो वह हिसाब मांग रही है। इसका जवाब 'सप्तधारा' जैसे नए नैटेरिव गढ़ कर नहीं दिया जा सकता। ना ही 'दिमागी नक्सलियों' को अलग-थलग करने जैसे एलान नई परिस्थितियों में अपेक्षित भय पैदा कर सकेंगे।

ब्लॉग

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं।

यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केनद्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम् में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया हैः 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी।

शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है।

शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था।

स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है।

राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं।

लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें हीन भावना न पैदा हो। अच्छे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी अपने सर्वोत्तम स्वरूप को प्राप्त कर सकें।

विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

ऑपरेशन लेपर्ड! मुरादाबाद के गांवों में 2 बजे के बाद बाहर निकलने पर रोक, तेंदुए की दहशत के बीच शिफ्ट हुआ स्कूल

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के ठाकुरद्वारा इलाके और रायभौड़ ग्राम पंचायत समेत आसपास के इलाकों में तेंदुए का भारी आतंक फैला हुआ है। हिंसक तेंदुए की मौजूदगी और हालिया हमलों से ग्रामीणों में गहरा खौफ है, जिससे खेती-किसानी और दैनिक आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। खतरे को देखते हुए मुनीमपुर मजरा स्थित प्राथमिक विद्यालय को बच्चों की सुरक्षा के लिए एक ग्रामीण के टीन शेड में अस्थायी रूप से शिफ्ट करना पड़ा है।

तेंदुए के इस प्रकोप से निपटने के लिए प्रशासन और वन विभाग ने व्यापक स्तर पर सुरक्षा अभियान शुरू किया है। मुरादाबाद के जिलाधिकारी डॉ। राजेंद्र पेंसिया के अनुसार, क्षेत्र में अब तक 13 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं

और प्रभावित गांवों में कुल 46 पिंजरे लगाए गए हैं।

गांव और जंगल की सीमा पर हाई-मास्ट फ्लड लाइटें तथा हाई-फ्रीक्वेंसी ध्वनि तरंग उपकरण स्थापित किए गए हैं, ताकि तेंदुए को आबादी में आने से रोका जा सके। इसके अलावा वन विभाग, राजस्व टीम और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा संयुक्त रूप से रात में गश्त की जा रही है। वन विभाग ने स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को समूह में आने-जाने और किसानों को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच ही खेतों में कार्य करने की सख्त हिदायत दी है।

सुरक्षा के लिए उठाए गए बड़े कदम

रायभौड़ ग्राम पंचायत के अंतर्गत मुनीमपुर मजरा स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक नियेंद्र सिंह ने क्षेत्र में तेंदुए के खौफनाक हालात की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय परिसर खेतों से सटा हुआ है और मुख्य रास्ता भी काफी असुरक्षित है। इलाके में तेंदुए द्वारा हाल ही में एक व्यक्ति पर हमला किए जाने से ग्रामीण बुरी तरह डरे हुए थे, जिसके कारण अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल भेजने से साफ इनकार कर दिया था।

बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए लोगों ने ग्राम प्रधान और ग्रामीणों के सहयोग से एक सुरक्षात्मक कदम उठाया है। वर्तमान में पिछले एक महीने से विद्यालय को आबादी के पास स्थित ओम सोमपाल सिंह के टीन शेड और बैठक स्थल पर अस्थायी रूप से संचालित किया जा रहा है। शिक्षक लाठी-डंडों से लैस होकर अपनी सुरक्षा करते हुए भोजन लाते हैं। इस व्यवस्था की सूचना खंड शिक्षा अधिकारी को लिखित रूप से दे दी गई है।

ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालयों में किए गए इंतजाम

रायभौड़ ग्राम पंचायत के प्रधान ने गांव में उपजे गंभीर तेंदुए संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि पूरे क्षेत्र में तेंदुए की भीषण दहशत फैली हुई है और इस बात का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है कि आसपास के जंगलों में वास्तव में कितने तेंदुए सक्रिय हैं। मूल स्कूल भवन का स्थान पूरी तरह से जंगली इलाके से सटा हुआ है, जहां लगातार तेंदुए का खतरा मंडराता रहता है।

ऐसे में किसी भी बच्चे को कोई चोट न पहुंचे या कोई अनहोनी घटना न घटे, इसे ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से बच्चों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। ग्राम प्रधान ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। जब तक तेंदुए का यह डर समाप्त नहीं हो जाता और माहौल पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाता है, तब तक यही वैकल्पिक शिक्षण व्यवस्था जारी रखी जाएगी।

दी जा रही तेंदुए से बचाव की जानकारी

ठाकुरद्वारा रेंज में तेंदुओं की लगातार आवाजाही को देखते हुए वन गार्ड संजय कुमार और विभाग के अधिकारियों ने सुरक्षा दिशानिर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि शासन से निर्देश मिले हैं कि जंगल के पास स्थित स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे कभी भी अकेले न निकलें, बल्कि हमेशा ग्रुप में ही आएं और जाएं।

वन विभाग द्वारा ललापुर पीपलसाना, बलिया, बढ़ापुर, बाहापुर, पीपली और मलकपुर सेमली जैसे सभी प्रभावित गांवों के स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से बच्चे अपने अभिभावकों को समझाएंगे कि वे सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच ही खेतों में किसानी और चारे-कूड़े का काम पूरा करें।

दोपहर 2 बजे के बाद किसी भी व्यक्ति को घर से बाहर न निकलने की कड़ी हिदायत दी गई है, ताकि बच्चे और उनके परिवार तेंदुए के हमलों से पूरी तरह सुरक्षित रह सकें।

क्या बोले जिलाधिकारी?

मुरादाबाद के जिलाधिकारी डॉ। राजेंद्र पेंसिया ने तेंदुए से बचाव हेतु किए जा रहे व्यापक प्रशासनिक उपायों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र से अब तक 13 तेंदुए पकड़े गए हैं और 46 पिंजरे स्थापित किए गए हैं। सुरक्षा बढ़ाने के लिए फ्लड लाइटें और हाई-फ्रीक्वेंसी ध्वनि उपकरण लगाए गए हैं। रात में वन विभाग व ग्रामीणों की संयुक्त गश्त जारी है।

ग्रामीणों को लाठी-डंडा साथ रखने, समूह में बाहर निकलने और तेंदुए के हमले से बचने के लिए गले को ढंककर रखने की सलाह दी गई है। मृतक के परिजनों को ₹20 लाख का मुआवजा और घायलों का निःशुल्क इलाज कराया गया है। विद्यालयों में भी सुरक्षा के कड़े निर्देश दिए गए हैं, ताकि छुट्टी के समय कोई अकेला न रहे। प्रशासन 24×7 सतर्कता के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए है, ताकि जनहानि को रोका जा सके।

संक्षेप

पत्रकार के भाई का निधन ,उपजा में शोक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन जौनपुर के अध्यक्ष एवं मीडिया सेन्टर के संचालक पत्रकार शशि राज सिन्हा के ज्येष्ठ भ्राता विजय मोहन सिन्हा का निधन हो गया। वे 7व वर्ष के थे। पिछले दो महीने से वे एम्स में भर्ती थे तथा गंभीर बीमारी से जीवन और मौत से जूझते हुए कोमा और वेंटिलेटर पर थे ।उनका अंतिम संस्कार दिल्ली से 125 किलोमीटर दूर गंगा के किनारे गढ़ मुक्तेश्वर गढ़ गंगा पर पूरे नागरिक सम्मान के साथ हुआ। उनके शव यात्रा में बड़ी में लोगों ने भागीदारी किया। मुखाग्नि उसके पुत्र अनुभव सिन्हा ने दिया। उपजा के संरक्षक डाक्टर ज्ञान प्रकाश सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रोफेसर डाव आसाराम महामंत्री आफताब आलम सौरभ श्रीवास्तव ,एवं सम्पादक जय प्रकाश मिश्र विरेन्द्र गुप्ता जनार्दन मिश्रा आदि पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की है।

चाइनीज मांझे के खिलाफ आवाज उठी

जौनपुर । केमिस्ट एंड कॉस्मेटिक वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ आवाज उठाई है। सोमवार को संगठन के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष लल्लन यादव के नेतृत्व में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को एक पत्र सौंपकर मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई की मांग की ।जिलाध्यक्ष ने बताया कि रविवार शाम सुभाष चंद्र मौर्य का गला प्रतिबंधित मांझे से कट गया। यह घटना सद्भावना पुल के पास हुई, जब वे जौनपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन से कचहरी लौट रहे थे ।अचानक एक मांझा उनके गले में फंस गया, जिससे लगभग 4 इंच लंबा कट लगा। मौर्य ने तुरंत हाथ से मांझे को हटाया और ऊपर फेंका, जिससे उनकी स्कूटी सड़क पर पलट गई। स्कूटी पलटने से उन्हें शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। इस घटना ने एक बार फिर प्रतिबंधित मांझे के खतरे को उजागर किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष लल्लन यादव ने प्रशासन से अपील की है कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने मांझा बेचने वालों और शहर के अंदर पतंग उड़ाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि आम जनता सुरक्षित महसूस कर सके।

रास्ते में चाकुओं से हमले में युवक गंभीर

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोचन छतरी मार्ग के पास सोमवार को बाइक सवार एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक की पहचान 27 वर्षीय किसान यादव पुत्र राजेश यादव, निवासी बरइयापुर, थाना जलालपुर के रूप में हुई है। पीड़ित के मुताबिक दोपहर में वह बाइक से जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में करीब 10 से 20 लोगों ने उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला करने के साथ चाकू से भी वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान उसके साथ बाइक पर एक अन्य युवक के होने की भी बात बताई जा रही है ।मारपीट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों की मदद से घायल किसान यादव को एंबुलेंस के माध्यम से आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

पढ़ाई में समय का अधिकतम उपयोग करें : कुलपति

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने सोमवार को छात्रों से अपने समय का अधिकतम उपयोग पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र सभी गतिविधियों के केंद्र में हैं। विश्वविद्यालय की हर कोशिश छात्रों के ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व और रोजगार क्षमता को बेहतर बनाने पर केंद्रित है ।कुलपति ने छात्रों से नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी प्रयोगशालाओं और प्रैक्टिकल कार्यों में सक्रिय रहें। शिक्षकों से संवाद करें और लाइब्रेरी के साथ डिजिटल संसाधनों का भी अधिक से अधिक इस्तेमाल करें। उन्होंने छात्रों से प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप, सेमिनार, वर्कशॉप, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने को कहा। उनके मुताबिक, इन गतिविधियों से छात्रों में व्यावहारिक ज्ञान के साथ आत्मविश्वास और प्रोफेशनल क्षमता भी विकसित होती है। प्रो. आर. के. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़ाई की गुणवत्ता और बेहतर शैक्षणिक माहौल के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। कैंपस की आईटी और नेटवर्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने पर काम शुरू किया गया है।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा कर रूपरेखा बनी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में 21 से 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली नौ दिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियों को लेकर रविवार को बैंक्वेट हॉल में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कथा आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।सेवा भारती के बैनर तले आयोजित होने वाली श्रीराम कथा से पूर्व 20 अक्टूबर को भव्य कलश एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैठक में कलश यात्रा के रूट मैप, कलश वितरण, यात्रा की एकरूपता के लिए परिधान, झांकियों तथा सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।श्रीराम कथा के मुख्य आयोजक ज्ञानप्रकाश सिंह ने कहा कि कलश एवं शोभायात्रा को भव्य

और आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक और समन्वित प्रयास से दिव्य एवं भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता मुरली पाल, प्रान्त कार्यवाह, काशी प्रांत ने की।

श्री गणपति पूजा का पुरस्कार वितरण

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। श्री गणपति पूजा महासमिति के तत्वावधान में पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह महासमिति के मुख्य संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार लोलारक दुबे की अध्यक्षता में हुआ। गत वर्ष श्री गणेश उत्सव के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पूजन समितियों, धार्मिक अनुष्ठानों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संगठनों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवा देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री ज्ञानप्रकाश सिंह व उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और गणपति वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्री गणेश भजनो ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मुख्यवक्ता ओमप्रकाश बाबा दुबे पूर्व विधायक बदलापुर ने महासमिति के कार्यों की सराहना करते हुए समस्त पूजन समितियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

विशिष्ट अतिथि मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डॉ0 सरफराज खान प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पंचायत जफराबाद, डॉ0 ऋषभ यादव व डॉ0 विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे आयोजन से गंगा जमुनी तहजीब को बल मिलता है। पुरस्कृत की गई समितियों में शोभा यात्रा में श्री गणेश मित्र मंडल रसूलाबाद, श्री शिवशक्ति बाल गणेश पूजा समिति ईशापुर, श्री गणपति पूजनोत्सव सेवा समिति मियांपुर क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही ।निर्णायक मंडल के सदस्य गण के रूप में हरिद्वार प्रसाद विश्वकर्मा एडवोकेट, सोम कुमार वर्मा, उर्वशी सिंह, अंजली जड़वानी, नीरज शाह, तुलिका श्रीवास्तव व संजय प्रजापति को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संचालन मुख्य ट्रस्टी संजीव कुमार यादव एडवोकेट ने किया।स्वागत भाषण संयोजक नवीन सिंह बसगोती व अध्यक्ष दीपक जावा, कोआर्डिनेटर संजय जड़वानी व पवन दुबे ने संयुक्त रूप से आगंतुक के प्रति आभार जताया।

मुसहर बस्ती की बिजली काटने पर प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के उत्तरगांवा में मुसहर बस्ती की बिजली काट दी गई है। सोमवार को इस मामले में दो दर्जन से ज्यादा महिलाओं ने डीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। उन्होंने डीएम को संबोधित एक पत्र परियोजना निदेशक को सौंपा है। उत्तरगांव गांव के छोटेलाल मुसहर ने बताया कि उनकी बस्ती में करीब 15 साल पहले विधायक निधि से बिजली लगाई गई थी। तब से लेकर अब तक बिजली की सप्लाई लगातार जारी थी। करीब एक महीने पहले बिजली विभाग की टीम ने बस्ती के सभी कनेक्शन काट दिए। बस्ती के लोगों के पास बिजली का कोई दूरा इंतजाम नहीं है जिससे वे अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। छोटेलाल ने जब बिजली काटने का कारण पूछा, तो टीम ने कहा कि उन्हें जो आदेश मिला है, वे वही कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को विभाग में जाकर पता करने को कहा। छोटेलाल ने बताया कि बारिश के दिनों में जलजमाव की समस्या है। इस मौसम में रात के अंधेरे में जीना मुश्किल हो गया है। उन्हें रात में जहरीले जानवरों का डर सता रहा है। छोटेलाल मुसहर ने डीएम से इस मामले की जांच कराने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

शादी से किया इनकार तो मार डाला... श्रेया उपाध्याय मर्डर केस का मुख्य आरोपी विवेक चौबे पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में बीस दिन के बाद आखिरकार M।Sc छात्रा श्रेया उपाध्याय हत्याकांड का मुख्य आरोपी विवेक चौबे पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ में विवेक चौबे के पैर में गोली लगी है। पुलिस को मुखबिर से आज सुबह पांच बजे जगतदेवपुर में विवेक चौबे के छिपे होने की जानकारी मिली। पुलिस ने जब विवेक चौबे को ललकारा और उसे पकड़ने के नियत से आगे बढ़ी तो विवेक चौबे उर्फ निखिल ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया।

जवाबी कार्रवाई में विवेक चौबे के पैर में गोली लगी और वो घायल हो गया। एडीसीपी राजातालाब नृपेंद्र कुमार ने बताया कि राजातालाब पुलिस ने एमएससी की छात्रा श्रेया उपाध्याय की हत्या में मुख्य आरोपी विवेक चौबे को गिरफ्तार कर लिया

है। आरोपी विवेक चौबे ने वारदात की वजह और घटनाक्रम बताया है। उसके बयान से साफ है कि छात्रा श्रेया की हत्या प्रेम के बाद शादी के लिए की गई थी।

छात्रा पर शादी के लिए बना रहा था दबाव

नृपेंद्र कुमार ने बताया कि युवती की शादी दूसरे युवक से तय होने के बाद विवेक नाराज था और उसपर शादी के लिए लगातार दबाव बना रहा था। हालांकि, युवती लगातार इससे इनकार करती रही। श्रेया के इंकार करने पर उसने अपने दोस्त पुनीत मिश्रा के साथ मिलकर 18 अगस्त को श्रेया उपाध्याय की हत्या कर दी थी।

मामले में अब तक कुल तीन गिरफ्तार

पुनीत मिश्रा इस मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। श्रेया उपाध्याय मर्डर केस में मुख्य आरोपी विवेक चौबे की गिरफ्तारी के बाद अब तक इस मामले कुल तीन गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस के अनुसा,र विवेक चौबे और पुनीत मिश्रा ने श्रेया उपाध्याय हत्याकांड को अंजाम दिया था, जबकि विवेक चौबे के पिता राम सहाय चौबे की भूमिका हत्याकांड के मुख्य साज़शिकर्ता के रूप में सामने आई है। बता दें कि एमएससी की छात्रा श्रेया उपाध्याय 18 अगस्त को जगतपुर पीजी कॉलेज जाने के लिए राजातालाब के मरुई स्थित अपने घर से निकली थी, लेकिन उसका शव 20 अगस्त को बच्छावं के एक कमरे के बाथरूम से मिला था।

'न भूले थे, न भूलेंगे...' मुजफ्फरनगर दंगे की बरसी पर यूपी के इन शहरों में विवादित होर्डिंग, अखिलेश की तस्वीर से सियासी हलचल

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में हुए दंगे की 13वीं बरसी पर उत्तर प्रदेश के चार शहरों में लगाए गए विवादित पोस्टरों से सियासी माहौल गर्मा गया है। लखनऊ, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर की सड़कों पर विवादित पोस्टर लगाए गए। मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रात के अंधेरे में लगाए गए इन होर्डिंग पर लिखा था, 'न भूले थे, न भूलें हैं, न भूलेंगे।' होर्डिंग पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तस्वीर भी लगी थी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने इन्हें उतरवा दिया। अब जांच की जा रही है कि इन्हें किसने लगाया और इसके पीछे क्या मकसद था।

पुलिस के संज्ञान में मामला आने के बाद टीम मौके पर पहुंची और विवादित होर्डिंग हटवाए। सुबह लोगों

की नजर इन पर पड़ी तो इलाके में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। होर्डिंग पर दंगों की याद दिलाने वाला संदेश और अखिलेश यादव की तस्वीर होने से मामला और चर्चा में आ गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि होर्डिंग किस व्यक्ति या संगठन ने लगाए थे। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इन्हें लगाने के पीछे किसी राजनीतिक गतिविधि या अन्य उद्देश्य की भूमिका थी या नहीं।

एएसपी बोले- कानून व्यवस्था के मद्देनजर कार्रवाई

मुजफ्फरनगर के एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा ने बताया कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कुछ होर्डिंग मिले थे, जिन पर दंगों से संबंधित आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इन्हें उतरवा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्डिंग किसके माध्यम से लगाए गए थे, इसकी जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी के मुताबिक, बरसी के मौके पर किसी ने भी इन्हें लगाने का प्रयास किया हो, लेकिन कानून व्यवस्था की दृष्टि से इनकी सामग्री आपत्तिजनक थी। इसी वजह से पुलिस ने कार्रवाई की।

7 सितंबर का दंगों से क्या संबंध है?

मुजफ्फरनगर में 7 सितंबर की तारीख 2013 के सांप्रदायिक दंगों से जुड़ी है। 27 अगस्त 2013 को जानसठ के गांव कवाल में शाहनवाज की हत्या के बाद ममेरे भाइयों सचिन और गौरव की हत्या की घटना सामने आई थी। इसके बाद जिले में तनाव बढ़ने लगा था।

7 सितंबर को नगला मंदौड़ में हुई महापंचायत से लौट रहे लोगों पर हमले के बाद हालात और बिगड़ गए। इसके बाद हिंसा ने व्यापक रूप ले लिया और जिले में दंगे भड़क उठे। दंगों के दौरान 65 लोगों की जान गई थी।

मुजफ्फरनगर में हुए दंगे की 13वीं बरसी पर उत्तर प्रदेश के चार शहरों में लगाए गए विवादित पोस्टरों से सियासी माहौल गर्मा गया है। लखनऊ, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर की सड़कों पर विवादित पोस्टर लगाए गए। मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रात के अंधेरे में लगाए गए इन होर्डिंग पर लिखा था, 'न भूले थे, न भूलें हैं, न भूलेंगे।' होर्डिंग पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तस्वीर भी लगी थी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने इन्हें उतरवा दिया। अब जांच की जा रही है कि इन्हें किसने लगाया और इसके पीछे क्या मकसद था। पुलिस के संज्ञान में मामला आने के बाद टीम मौके पर पहुंची और विवादित होर्डिंग हटवाए। सुबह लोगों की नजर इन पर पड़ी तो इलाके में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। होर्डिंग पर दंगों की याद दिलाने वाला संदेश और अखिलेश यादव की तस्वीर होने से मामला और चर्चा में आ गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि होर्डिंग किस व्यक्ति या संगठन ने लगाए थे। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इन्हें लगाने के पीछे किसी राजनीतिक गतिविधि या अन्य उद्देश्य की भूमिका थी या नहीं।

एएसपी बोले- कानून व्यवस्था के मद्देनजर कार्रवाई

मुजफ्फरनगर के एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा ने बताया कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कुछ होर्डिंग मिले थे, जिन पर दंगों से संबंधित आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इन्हें उतरवा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्डिंग किसके माध्यम से लगाए गए थे, इसकी जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी के मुताबिक, बरसी के मौके पर किसी ने भी इन्हें लगाने का प्रयास किया हो, लेकिन कानून व्यवस्था की दृष्टि से इनकी सामग्री आपत्तिजनक थी। इसी वजह से पुलिस ने कार्रवाई की।

7 सितंबर का दंगों से क्या संबंध है?

मुजफ्फरनगर में 7 सितंबर की तारीख 2013 के सांप्रदायिक दंगों से जुड़ी है। 27 अगस्त 2013 को जानसठ के गांव कवाल में शाहनवाज की हत्या के बाद ममेरे भाइयों सचिन और गौरव की हत्या की घटना सामने आई थी। इसके बाद जिले में तनाव बढ़ने लगा था।

7 सितंबर को नगला मंदौड़ में हुई महापंचायत से लौट रहे लोगों पर हमले के बाद हालात और बिगड़ गए। इसके बाद हिंसा ने व्यापक रूप ले लिया और जिले में दंगे भड़क उठे। दंगों के दौरान 65 लोगों की जान गई थी।

मेडिकल साइंस का कमाल: सुअर की किडनी ने 271 दिनों तक बचाए रखी इंसान की जान, दुनिया का पहला 'ब्रिज ट्रांसप्लांट'

अमेरिका में 66 वर्षीय किडनी फेलियर मरीज के शरीर में 69 जेनेटिक बदलाव वाली सुअर की किडनी लगाई गई। किडनी ने 271 दिनों तक काम किया और मरीज डायलिसिस से दूर रहा। बाद में उसे इंसानी डोनर की किडनी मिल गई। यह मामला भविष्य में किडनी की कमी दूर करने की नई उम्मीद जगाता है।

दुनियाभर में हर साल लाखों लोगों की मौत समय पर जरूरी अंग न मिलने या ट्रांसप्लांट न हो पाने के कारण हो जाती है। भारत की बात करें तो हर साल ट्रांसप्लांट के लिए जरूरी अंगों की कमी के कारण करीब पांच लाख लोगों की जान चली जाती है। हर दिन कम से कम 15 लोगों की मौतों का एक बड़ा कारण अंगों की कमी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अंगदान को लेकर अब लोगों में जागरूकता बढ़ी है, फिर भी जरूरी अंगों की उपलब्धता और आवश्यकता के बीच इतना अंतर है, जिसे पूरा कर पाना बड़ी चुनौती है।

इन्हीं समस्याओं के बीच मेडिकल साइंस ने एक बड़ी राहत की खबर दी है। अमेरिका के मास जनरल ब्रिघम के डॉक्टरों ने आनुवंशिक रूप से बदले गए सुअर की किडनी 66 वर्षीय टिम एंड्रयूज में ट्रांसप्लांट की। 25 जनवरी 2025 को हुए ट्रांसप्लांट के बाद किडनी ने तुरंत काम करना शुरू कर दिया और 271 दिन तक काम करती रही, जो अब तक का सबसे लंबा रिकॉर्ड है। अक्तूबर 2025 में इंसान की किडनी मिलने के बाद एंड्रयूज में नई किडनी लगाई गई है। इस खबर ने दुनियाभर में ऑर्गन डोनर्स की कमी के बीच नई उम्मीद जगा दी है।

पहले पूरा मामला जान लीजिए

अमेरिका में 66 वर्षीय टिम एंड्रयूज की टाइप-2 डायबिटीज के कारण किडनी की बीमारी लास्ट स्टेज में पहुंच चुकी थी। उनके लिए तत्काल इंसानी किडनी मिलने की संभावना बेहद कम थी और डायलिसिस के साथ लंबा इंतजार करना भी जोखिम भरा था। फिर डॉक्टरों ने एक ऐसा फैसला लिया, जो कुछ साल पहले तक किसी साइंस फिक्शन फिल्म की कहानी जैसा लगता।

जनवरी 2025 में एंड्रयूज के शरीर में एक सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की गई। वैज्ञानिकों ने उस सुअर के आनुवंशिक ढांचे में 69 बदलाव किए, ताकि उसका अंग इंसानी शरीर के लिए अनुकूल बनाया जा सके और संक्रमण तथा अंग के रिजेक्ट होने का खतरा कम हो।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि यह किडनी करीब 271 दिनों तक काम करती रही और इस दौरान

एंड्रयूज लगभग नौ महीने तक बिना डायलिसिस के स्वस्थ रहे। इस दौरान वह खाना बना सकते थे, घर की सफाई कर सकते थे। उनके लिए यह सिर्फ एक मेडिकल प्रयोग नहीं था, बल्कि लंबे समय बाद सामान्य जिंदगी में लौटने का मौका था।

बाद में लगाई गई इंसान की किडनी

हालांकि छह महीने बाद सुअर की किडनी की रक्त वाहिकाओं में कुछ डैमेज दिखना शुरू हुआ और कुछ समय बाद उसे शरीर से निकालना पड़ा। इसके बाद एंड्रयूज को स्वस्थ रखने के लिए डॉक्टरों को फिर से डायलिसिस का सहारा लेना पड़ा। इस बीच एक इंसानी डोनर की किडनी मिल गई, जो ट्रांसप्लांट होने के छह महीने बाद अब अच्छी तरह काम कर रही है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि सुअर की किडनी को डॉक्टरों ने एक ब्रिज ट्रांसप्लांट यानी पुल की तरह इस्तेमाल किया। मसलन सुअर की किडनी ने जिंदगी को उस समय तक संभाले रखा, जब तक इंसानी किडनी उपलब्ध नहीं हो गई। अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या आने वाले समय में किडनी ट्रांसप्लांट के लंबे इंतजार से परेशान मरीजों के लिए सुअर की किडनी अस्थायी सहारा बन सकती है?

एंड्रयूज इसे 'चमत्कार' बताते हैं। उनका कहना था कि इस ट्रांसप्लांट के बाद उन्हें ऐसा लगा जैसे फिर से नई जिंदगी मिल गई हो।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

गौरतलब है कि इंसानी डोनर अंगों की कमी ट्रांसप्लांट मेडिसिन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। आखिरी-स्टेज की किडनी की बीमारी वाले मरीजों के लिए किडनी ट्रांसप्लांट को डायलिसिस की तुलना में बेहतर इलाज माना जाता है, लेकिन जरूरत के मुकाबले इंसानी किडनी उपलब्ध नहीं हैं।

मैसाचुसेट्स जनरल ब्रिघम के सेंटर फॉर ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज और नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. लियोनार्डो रिएला कहते हैं-

समय पर अंगों की कमी ट्रांसप्लांट के क्षेत्र का सबसे बड़ा संकट है। जेनोट्रांसप्लांटेशन (एक प्रजाति के अंग को दूसरी प्रजाति के शरीर में ट्रांसप्लांट करना) इस कमी को दूर करने में मदद कर सकता है। शुरुआत में इसका इस्तेमाल ऐसे मरीजों के लिए 'ब्रिज' के रूप में किया जा सकता है, जिन्हें इंसानी किडनी मिलने तक डायलिसिस से दूर रखना जरूरी है।

भविष्य में, अगर वैज्ञानिक यह साबित कर पाते हैं कि ऐसी किडनियां लंबे समय तक सुरक्षित और प्रभावी ढंग से काम कर सकती हैं, तो संभव है कि सुअर की किडनी खुद एक स्थायी भी बन सके।

इससे पहले अमर उजाला में प्रकाशित एक रिपोर्ट में हमने बताया था कि किस तरह से पहली बार इंसान के शरीर में एकसाथ सुअर का लिवर-किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था।

चीन के शोधकर्ताओं और डॉक्टर्स की टीम ने दुनिया का पहला मल्टी-ऑर्गन पिग-टू-ह्यूमन ट्रांसप्लांट किया था। शोध के तौर पर ये अंग 53 वर्षीय व्यक्ति को लगाए गए थे जो पहले से ही ब्रेन-डेड था। जेनेटिक तौर पर तैयार ट्रांसप्लांट किए गए सुअर के दोनों अंगों ने लगभग पांच दिनों तक बेहतर तरीके से काम किया था।

क्लीनिंग टिप्स : गैस बर्नर पड़ गए हैं काले और गंदे? बेकिंग सोडा-विनेगर से ऐसे चमकाएं

रसोई में रोजाना इस्तेमाल होने वाले गैस स्टोव के बर्नर पर तेल, मसाले, दूध और खाने के छींटों की परत धीरे-धीरे जमने लगती है। नियमित सफाई न होने पर बर्नर काले, चिकने और गंदे नजर आने लगते हैं। कई बार बर्नर के छोटे-छोटे छेदों के आसपास भी गंदगी जमा हो जाती है, जिससे इसकी सफाई करना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में घर में मौजूद बेकिंग सोडा और सफेद विनेगर की मदद से सफाई की जा सकती है। ये चीजें जमी हुई चिकनाई और गंदगी को ढीला करने में मदद कर सकती हैं।

सबसे पहले गैस की सप्लाई बंद करें और स्टोव को पूरी तरह ठंडा होने दें। इसके बाद बर्नर को सावधानी से निकालें। बर्नर को हल्के गुनगुने पानी से धोकर उस पर लगी ऊपरी गंदगी को हटाएं।

अब एक कटोरी में बेकिंग सोडा लें और उसमें थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को बर्नर के उन हिस्सों पर लगाएं जहां तेल और गंदगी ज्यादा जमी हुई है। पेस्ट को कुछ समय के लिए लगा रहने दें, ताकि जमी हुई चिकनाई नरम हो सके।

इसके बाद मुलायम ब्रश या स्पंज की मदद से बर्नर को धीरे-धीरे साफ करें। बहुत ज्यादा जोर से रगड़ने से बचें, खासकर अगर बर्नर की सतह नाजुक हो। सफाई के बाद इसे साफ पानी से अच्छी तरह धो लें।

विनेगर से हटाएं जिद्दी गंदगी

अगर बर्नर पर चिकनाई या गंदगी आसानी से नहीं निकल रही है, तो सफेद विनेगर का इस्तेमाल किया जा सकता है। बर्नर को थोड़े समय के लिए विनेगर में भिगोकर रखने से जमी हुई गंदगी ढीली होने में मदद मिल सकती है।बेकिंग सोडा और विनेगर के संपर्क में आने पर झाग बनता है। हालांकि, दोनों को बड़ी मात्रा में पहले से मिलाकर स्टोर करने के बजाय सफाई के दौरान थोड़ी मात्रा का इस्तेमाल करना बेहतर है। झाग बनने के बाद बर्नर को मुलायम ब्रश से साफ करें और फिर पानी से अच्छी तरह धो लें।

बर्नर के छोटे छेदों की सफाई भी जरूरी

गैस बर्नर में बने छोटे-छोटे छेदों में खाना या गंदगी फंस सकती है। इन्हें साफ करते समय सावधानी बरतें और किसी नुकीली धातु की चीज से छेदों को चौड़ा या नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें। यदि छेद बंद दिखाई दें या गैस की लौ सामान्य न हो, तो निर्माता के निर्देशों के अनुसार सफाई करें या किसी योग्य गैस तकनीशियन की मदद लें।

बर्नर को अच्छी तरह सुखाना जरूरी

सफाई के बाद बर्नर को साफ कपड़े से पोंछकर पूरी तरह सूखने दें। बर्नर में पानी रह जाने पर उसे तुरंत गैस स्टोव पर लगाकर इस्तेमाल न करें। पूरी तरह सूखने के बाद ही बर्नर को सही जगह पर लगाएं।

सफाई के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

गैस बर्नर की सफाई करते समय सबसे पहले गैस सप्लाई बंद करना जरूरी है।

गर्म बर्नर पर पानी या सफाई का घोल न डालें।

इसके अलावा गैस के दूसरे हिस्सों में पानी या सफाई का पेस्ट जाने से बचाएं।

अगर स्टोव के किसी हिस्से में खराबी दिखाई दे या गैस की गंध महसूस हो, तो खुद मरम्मत करने के बजाय गैस सप्लायर या योग्य तकनीशियन से संपर्क करें।

इस आसान सफाई रूटीन से गैस बर्नर पर जमा सामान्य चिकनाई और गंदगी को हटाने में मदद मिल सकती है।

नियमित सफाई करने से रसोई भी साफ-सुथरी दिखेगी और बर्नर की स्थिति पर भी नजर बनी रहेगी।

मानसून में फेशियल कराना चाहिए या नहीं? जानें इससे जुड़ी जरूरी बातें

फेशियल एक ऐसा स्किन केयर प्रोसेस है, जिसमें डेड स्किन सेल्स को हटाने से लेकर स्किन का स्ट्रेस कम होने तक जैसे फायदे होते हैं। इस आर्टिकल में जानिए मानसून में फेशियल से जुड़ी कौन सी बातें ध्यान रखें।

फेशियल एक ऐसा प्रोसेस है जिसमें स्किन की क्लींजिंग से लेकर मसाज और फेस पैक तक 5 से 6 स्टेप किए जाते हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन भी सुधरता है, जिससे चेहरे पर ग्लो आता है। कुछ ऐसे प्रोडक्ट भी होते हैं जो त्वचा को नमी देने का काम करते हैं। ऐसे में कई बार कन्फ्यूजन रहती है कि मानसून के नमी और उमस भरे मौसम में फेशियल करवाना चाहिए या फिर नही, क्योंकि इस दौरान त्वचा पर चिपचिपापन ज्यादा होता है। चलिए जान लेते हैं इससे जुड़ी जरूरी बातें।

मार्केट में आपको कई तरह के फेशियल के ऑप्शन मिल जाते हैं तो वहीं कुछ लोग नेचुरल चीजों से घर पर भी इसे करते हैं। फिलहाल हम बात करेंगे कि मानसून में फेशियल कराना चाहिए या फिर नहीं और अगर आप फेशियल कराते हैं तो किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

मानसून में फेशियल

बारिश के मौसम में उमस भी बढ़ जाती है। ऐसे में पसीने और गंदगी से त्वचा को पोर्स (रोमछिद्र/pores) बंद हो जाते हैं, जो मुंहासे की वजह बन सकते हैं। इसके अलावा स्किन पर ऑयल और पसीने की वजह से चेहरा भी डल लगने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी त्वचा को गहराई से साफ करें और स्किन डिहाइड्रेट भी न हो। ऐसे में मानसून के दौरान फेशियल कराना फायदेमंद रहता है, लेकिन कुछ बातें ध्यान में रखें।

लाइटवेट प्रोडक्ट चुनें

मानसून में अगर फेशियल करवा रहे हैं तो लाइट वेट प्रोडक्ट चुनें। क्रीमा या तेल बेल्ड प्रोडक्ट की जगह पानी और जेल बेस्ड प्रोडक्ट इस मौसम में बेस्ट रहते हैं।

स्क्रबिंग करें हल्की

मानसून में भले ही आपकी त्वचा चिपचिपी महसूस होती हो, लेकिन इसमें नमी की कमी हो सकती है। इस वजह से त्वचा सेंसिटिव हो जाती है। जेंटल स्क्रब चुनें और बहुत ज्यादा टाइम तक इसे न करें। इसी के साथ स्किन को स्टीम जरूर दें ताकि गंदगी आसानी से हट जाए।

नेचुरल प्रोडक्ट चुनें

इस मौसम में अपना फेशियल कराने और स्किन केयर के लिए ज्यादा से ज्यादा नेचुरल प्रोडक्ट ही चुनें, जो आपकी त्वचा को सूदिंग इफेक्ट दें। जैसे एलोवेरा या इससे बने प्रोडक्ट, गुलाबजल, खीरा जैसी त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ ही ठंडक देती हैं और फ्रेश भी बनाती हैं।

सनस्क्रीन न करें अवॉइड

कई बार लोगों को लगता है कि मानसून में बादलों की वजह से सनलाइट स्किन पर नहीं पड़ रही है तो सनस्क्रीन की जरूरत नहीं है। दरअसल इस दौरान भी त्वचा को प्रोटेक्शन की आवश्यकता होती है। खासकर फेशियल करवाया है तो ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाना बिल्कुल भी न भूलें।

सोते वक्त भी निखरती है त्वचा? जानिए नींद और स्किन ग्लो का कनेक्शन

क्या आपने कभी गौर किया है कि अच्छी नींद लेने के बाद चेहरा ज्यादा फ्रेश और खिला-खिला नजर आता है, जबकि रातभर ठीक से न सोने पर आंखों के नीचे सूजन, थकान और त्वचा की डलनेस दिखाई दे सकती है? यही वजह है कि अच्छी नींद को आम बोलचाल में स्लीपिंग ब्यूटी भी कहा जाता है। नींद केवल शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि रात के दौरान शरीर कई सामान्य रिकवरी प्रक्रियाओं से भी गुजरता है, जिनका असर त्वचा की स्थिति पर दिखाई दे सकता है।

दिनभर काम, तनाव, प्रदूषण और धूप के संपर्क में रहने के बाद त्वचा को भी आराम की जरूरत होती है। जब आप पर्याप्त नींद लेते हैं, तो शरीर को अपनी सामान्य मरम्मत और रिकवरी प्रक्रियाओं के लिए समय मिलता है। इसके विपरीत, लगातार नींद पूरी न होने पर चेहरा थका हुआ, आंखों के आसपास सूजा हुआ और त्वचा कम फ्रेश दिखाई दे सकती है।

नींद और स्किन ग्लो का कनेक्शन

अच्छी नींद शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसका संबंध त्वचा के सामान्य स्वास्थ्य से भी हो सकता है। रात के समय शरीर आराम की अवस्था में होता है, जिससे त्वचा की सामान्य रिकवरी प्रक्रिया को सपोर्ट मिलता है। पर्याप्त नींद लेने के बाद सुबह चेहरा अधिक तरोताजा और फ्रेश नजर आ सकता है। हालांकि केवल नींद ही चेहरे के ग्लो की वजह नहीं होती। त्वचा का स्वास्थ्य कई कारकों पर निर्भर करता है। आपकी डाइट, पानी का सेवन, तनाव, शारीरिक गतिविधि, धूप से बचाव और स्किनकेयर रूटीन भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कम नींद का त्वचा पर असर

अगर आप लगातार देर रात तक जागते हैं या पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो इसका असर आपके चेहरे पर नजर आ सकता है। आंखों के नीचे डार्क सर्कल या सूजन अधिक दिखाई दे सकती है और चेहरा थका हुआ लग सकता है। कुछ लोगों में लंबे समय तक खराब नींद और तनाव त्वचा से जुड़ी परेशानियों को भी प्रभावित कर सकते हैं। एक-दो रात कम सोने से हर व्यक्ति की त्वचा पर एक जैसा असर हो, यह जरूरी नहीं है। लेकिन लंबे समय तक नींद की कमी को नजरअंदाज करना शरीर के लिए अच्छा नहीं माना जाता।

अच्छी नींद शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसका संबंध त्वचा के सामान्य स्वास्थ्य से भी हो सकता है। रात के समय शरीर आराम की अवस्था में होता है, जिससे त्वचा की सामान्य रिकवरी प्रक्रिया को सपोर्ट मिलता है। पर्याप्त नींद लेने के बाद सुबह चेहरा अधिक तरोताजा और फ्रेश नजर आ सकता है।

कितनी नींद जरूरी है?

वयस्कों के लिए आमतौर पर हर रात करीब 7 से 9 घंटे की नींद की सलाह दी जाती है। हालांकि, नींद की जरूरत उम्र और व्यक्ति की परिस्थितियों के अनुसार अलग हो सकती है। केवल घंटों की संख्या ही नहीं, बल्कि नींद की गुणवत्ता और नियमितता भी महत्वपूर्ण है।

बेहतर नींद के लिए अपनाएं ये आदतें

रोज लगभग एक ही समय पर सोने और जागने की कोशिश करें। सोने से पहले मोबाइल या लैपटॉप का इस्तेमाल कम करना, कैफीन का देर शाम सेवन सीमित करना और कमरे का वातावरण शांत व आरामदायक रखना मददगार हो सकता है। दिनभर पर्याप्त शारीरिक गतिविधि करना भी बेहतर नींद के लिए उपयोगी हो सकता है।

सिर्फ ब्यूटी स्लीप पर निर्भर न रहें

ग्लोइंग और हेल्दी त्वचा के लिए पर्याप्त नींद के साथ संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, नियमित एक्सरसाइज, तनाव को नियंत्रित करना और त्वचा के अनुसार सही स्किनकेयर रूटीन अपनाना जरूरी है। दिन में बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का इस्तेमाल भी त्वचा की देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इसलिए अगर आप चेहरे को फ्रेश और हेल्दी बनाए रखना चाहते हैं, तो महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स के साथ अपनी नींद को भी प्राथमिकता दें। अच्छी और नियमित नींद त्वचा के साथ-साथ आपकी संपूर्ण सेहत और रोजमर्रा की ऊर्जा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

भारत और पोलैंड साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण खनिजों पर समझौतों की तैयारी में : एस. जयशंकर

वारसॉ। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत और पोलैंड साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, स्वच्छ कोयला, वर्गीकृत जानकारी और महत्वपूर्ण खनिजों सहित विभिन्न क्षेत्रों में समझौतों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ये समझौते द्विपक्षीय संबंधों में गहराई और मजबूती दोनों लाएंगे।

वारसॉ में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, जिसे 2024 में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया था।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच निकटता राजनीतिक नेतृत्व की नियमित बैठकों और विभिन्न क्षेत्रों में संस्थागत तंत्रों में दिखती है।

विदेश मंत्री ने कहा, आज रादोस्लाव सिकोरस्की और मैंने उस कार्य योजना की समीक्षा की, जिस पर दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोलैंड यात्रा के दौरान सहमति बनी थी। हमें जो रिपोर्ट कार्ड मिला, वह बहुत ठोस था, जो व्यापार और निवेश में बढ़ोतरी, रक्षा सहयोग में गहराई, खनन और ऊर्जा जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में विस्तार के साथ-साथ अंतरिक्ष, डिजिटल, एआई और नवाचार में उभरती नई संभावनाओं का संकेत देता है।

उन्होंने कहा, जहां तक तंत्रों का सवाल है। हाल ही में विदेश कार्यालय परामर्श आयोजित किया गया था। हमारा संयुक्त आयोग मिला था और जैसा कि आपने उप प्रधानमंत्री से सुना, रक्षा कार्य समूह, हम साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष, स्वच्छ कोयला, वर्गीकृत जानकारी, महत्वपूर्ण खनिज आदि सहित कई अन्य क्षेत्रों में समझौतों पर काम कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि वे हमारे संबंधों में बनावट और सार दोनों जोड़ेंगे।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने घोषणा की कि जामसाहेब मेमोरियल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम का दूसरा संस्करण अक्टूबर में होगा। उन्होंने कहा कि पोलिश विश्वविद्यालयों में भारत के इंडोलॉजी और संस्कृत कार्यक्रम भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध गहरे हुए हैं और दोनों पक्षों के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते को इसका केंद्रबिंदु बताया।

विदेश मंत्री ने कहा, जबकि हमारी महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियां हैं और सभी संकेतक निरंतर विकास की ओर इशारा करते हैं, दो पहलू हैं जिन्हें मैं आज विशेष रूप से उजागर करना चाहता हूं। एक, पिछले कुछ वर्षों में यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध बहुत स्पष्ट रूप से गहरे हुए हैं। इसका केंद्रबिंदु निश्चित रूप से मुक्त व्यापार समझौता है, जिसे उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सभी सौदों की जननी बताया है।

उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के लिए अपार आर्थिक अवसर खोलेगा। यूरोपीय संघ के एक प्रमुख सदस्य के रूप में, पोलैंड को स्वाभाविक रूप से इस प्रक्रिया में लाभ होगा। इसलिए उप प्रधानमंत्री और मैंने चर्चा की कि हम इस नए परिदृश्य का लाभ कैसे उठा सकते हैं।

पोलिश विदेश मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार को विदेश मंत्री जयशंकर और सिकोरस्की के बीच हुई बातचीत में रणनीतिक साझेदारी को लागू करने, रक्षा, अंतरिक्ष और जहाज निर्माण सहित चुनिंदा क्षेत्रों में सहयोग की स्थिति, यूरोप में सुरक्षा स्थिति, बहुपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग और स्मारकों और स्मरणोत्सव से संबंधित मुद्दों के साथ-साथ थिंक टैंकों के बीच सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से 2 अरब लोगों के बाजार को मिलेगा लाभ : पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारत और यूरोप के किसानों, मछुआरों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छोटे उद्योगों, नवोन्मेषकों, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों, विनिर्माताओं तथा सेवा प्रदाताओं के लिए बड़े अवसर खोलता है।

पीयूष गोयल ने मुंबई में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भारत-बेल्जियम के बीच हुई उच्चस्तरीय बातचीत को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इस समझौते पर कुशलतापूर्वक बातचीत की गई है। इस अवसर पर बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित थे।

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ईयू एफटीए पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बातचीत पूरी होने से पहले करीब 25 वर्षों तक काम किया गया। उन्होंने कहा कि यह समझौता 2 अरब लोगों को एक साथ लाता है और इसके तहत वैश्विक जीडीपी का एक-चौथाई, विश्व व्यापार का एक-तिहाई तथा 24 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का विशाल बाजार शामिल है। यूरोपीय संघ के सभी 27 देश इस समझौते के पक्ष में हैं, इसका समर्थन कर रहे हैं और जल्द से जल्द आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके इसे लागू करना चाहते हैं। उनकी समझ के अनुसार, यूरोप के संदर्भ में किसी व्यापार समझौते को लेकर इस तरह का सर्वसम्मत सहयोग मिलना दुर्लभ है। इसी तरह, भारत में भी समाज के सभी वर्गों ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का पूरे दिल से समर्थन किया है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से व्यापार संबंध मजबूत होंगे और कंपनियों, युवा प्रतिभाओं तथा निवेश के लिए नए मार्ग खुलेंगे। इससे दोनों अर्थव्यवस्थाएं किसी भी तरह की रुकावट या वैश्विक चुनौती का बेहतर ढंग से सामना करने में सक्षम होंगी। बार्ट डी वेवर ने भारत व यूरोप के बीच एंटवर्प-ब्रुग्स बंदरगाह को एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक कड़ी बताते हुए कहा कि एफटीए से हीरा, खाद्य प्रसंस्करण, औषधि, समुद्री सेवाओं, हरित हाइड्रोजन और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 95 प्रतिशत से अधिक भारतीय और यूरोपीय वस्तुओं के निर्यात पर लागू शुल्क या तो समाप्त कर दिए जाएंगे या उनमें कमी की जाएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत एवं बेल्जियम के पास आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है, क्योंकि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं पांच प्रमुख क्षेत्रों में एक-दूसरे की पूरक हैं। भारत और बेल्जियम रत्न एवं आभूषणों, जिसमें प्रयोगशाला में निर्मित हीरे भी शामिल हैं, के क्षेत्र में संयुक्त रूप से नए उत्पाद व डिजाइन विकसित करने की संभावनाओं पर विचार कर सकते हैं। पीयूष गोयल ने एंटवर्प, मुंबई व सूरत जैसे प्रमुख हीरा केंद्रों को ध्यान में रखते हुए प्रौद्योगिकी तथा प्रमाणन के क्षेत्र में अधिक सहयोग और एक-दूसरे की प्रमाणन प्रणालियों को परस्पर मान्यता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बेल्जियम की विश्वस्तरीय माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान क्षमता को भारत के बड़े पैमाने, कुशल कार्यबल और प्रतिभा के साथ जोड़कर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में डिजाइन से लेकर विनिर्माण तक का एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा सकता है। भारत का हरित हाइड्रोजन मिशन एंटवर्प-ब्रुग्स बंदरगाह की ईंधन आपूर्ति और हरित जहाजरानी से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से यूरोप की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में योगदान दे सकता है। उन्होंने इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच और अधिक सहयोग का आह्वान किया।

गोयल ने जॉन कॉकरिल के साथ समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान का उल्लेख करते हुए कहा कि रक्षा एवं उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में भारत और बेल्जियम के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। इनमें ड्रोन-रोधी प्रणालियां, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, सटीक मारक हथियार तथा भारत में डिजाइन की गई ब्रह्मोस और पिनाका मिसाइलों के पश्चिमी देशों को निर्यात के अवसर शामिल हैं। भारत और बेल्जियम के बीच औद्योगिक तालमेल पहले कभी इतना गहरा नहीं रहा। गोयल ने यह भी बताया कि जॉन कॉकरिल भारत की बोफोर्स तोपों के लिए गोला-बारूद का निर्माण करती है। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों में यूरोप में रक्षा खर्च में बढ़ोतरी और भारत की अपनी सुरक्षा जरूरतों को देखते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मिलकर काम करने की अपार संभावनाएं हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्रों में मौजूद अवसरों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इनमें आलू प्रसंस्करण, शीत भंडारण एवं शीत श्रृंखला से लेकर खाद्य प्रसंस्करण के अन्य क्षेत्र शामिल हैं। गोयल ने कहा कि प्रौद्योगिकी व टिकाऊ कृषि-मूल्य श्रृंखला के माध्यम से बेल्जियम और भारत मिलकर पूरी दुनिया की जरूरतों को पूरा करने में योगदान दे सकते हैं। बेल्जियम, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से पैदा होने वाले अवसरों का प्रवेश द्वार है। उन्होंने बताया कि एंटवर्प-ब्रुग्स बंदरगाह यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा समुद्री बंदरगाह है और इसे उस महत्वपूर्ण द्वार के रूप में देखा जा सकता है, जिसके माध्यम से एफटीए के तहत होने वाला व्यापार यूरोप पहुंचेगा या भारत भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि एंटवर्प के विश्वस्तरीय अंतर्देशीय जलमार्ग, रेल और सड़क नेटवर्क को ब्रुग्स के समुद्री संपर्क, गहरे पानी, रोल-ऑन/रोल-ऑफ तथा ऑटोमोबाइल सुविधाओं के साथ जोड़कर यह बंदरगाह भारतीय निर्यातकों को यूरोप के औद्योगिक व उपभोक्ता बाजारों तक पहुंचने का एक बेजोड़ मार्ग उपलब्ध कराता है। पिछले एक दशक में यूरोपीय संघ के साथ भारत का व्यापार दोगुना होकर लगभग 140 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। संरक्षणवाद, बाधित आपूर्ति श्रृंखला, भोजन और ईंधन की आपूर्ति में आने वाली रुकावटों, दो युद्धों, अस्थिरता, अनिश्चितता और गंभीर वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत और बेल्जियम के सामने एक विकल्प था या तो मौजूदा अफरातफरी में बह जाएं या फिर भरोसे और विश्वसनीयता के केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करें।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बेल्जियम के नोबेल पुरस्कार विजेता इल्या प्रिगोगाइन का जिक्र करते हुए अराजकता से व्यवस्था के उभरने के विचार का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि बेल्जियम और भारत के प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व में, हम निर्माण करने, जुड़ने तथा मिलकर काम करने का रास्ता चुनते हैं।

पीयूष गोयल ने भारत की बढ़ती आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं पर जोर देते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा अभी शुरू ही हुई है। उन्होंने बताया कि आज भारत पीपीपी के आधार पर 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है और 20 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के जीडीपी के साथ पीपीपी के आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। 1.4 अरब भारतीयों का लक्ष्य और सामूहिक संकल्प है कि 2047 तक, जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की मौजूदा अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदला जाए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रोडमैप तैयार हो चुका है और भारत में सामूहिक प्रयासों के तहत सामाजिक उत्थान, बुनियादी ढांचे का निर्माण, बड़े पैमाने पर विनिर्माण व वैश्विक कंपनियों के लिए भारत को डिजाइन, सह-डिजाइन, सह-निर्माण तथा संयुक्त विनिर्माण के लिए एक गंतव्य बनाने पर काम किया जा रहा है। भारत और उसके साझेदार न केवल यूरोप और भारत, बल्कि पूरी दुनिया को अपना बाजार मानकर सामूहिक रूप से काम कर सकते हैं।

पीयूष गोयल ने सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए भारत के बड़े कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 'सेमीकॉन इंडिया' के पहले संस्करण को दुनिया भर के निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिला था और हाल ही में 14 अरब अमेरिकी डॉलर के बजट के साथ इसका दूसरा संस्करण सेमीकॉन इंडिया 2.0 लॉन्च किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर, यह मिशन भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 70 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश को बढ़ावा देगा।

पीयूष गोयल गोयल ने कहा कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन शुरू हो चुका है और यह स्टार्टअप्स को मदद कर रहा है। साथ ही, देश अपने क्रिटिकल मिनरल्स मिशन पर भी तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि शांति अधिनियम के तहत भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम 60 साल बाद अब निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया गया है। अगले 20 वर्षों में जीवाश्म ईंधन की जगह लेने के लिए 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता, बेसलोड क्षमता के तौर पर विकसित करने की योजना तैयार है।

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र अभी 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है और यह अगले आठ वर्षों में बढ़कर 44 अरब अमेरिकी डॉलर का हो सकता है। इसकी मुख्य वजह नई निजी पहल, स्टार्ट-अप, नवोन्मेषक और डिजाइनर होंगे, जो अनोखे समाधान तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश बन गया है, जहां किसी निजी कंपनी ने अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च किया है और पहला ऐसा देश है, जहां कोई निजी पहल अपने पहले ही प्रयास में सफल रही है। केंद्रीय मंत्री ने नवाचार के लिए भारत में हाल ही में शुरू किए गए 12 अरब अमेरिकी डॉलर के अनुसंधान और विकास कोष का भी उल्लेख किया। भले ही यूरोप के नजरिए से 12 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि कम लग सकती है, लेकिन भारत की पीपीपी की मजबूती के कारण सरकार का योगदान, निजी क्षेत्र का निवेश और भारतीय अकादमिक जगत की क्षमताएं मिलकर नवाचार के क्षेत्र में यूरोप के बराबर नतीजे दे सकती हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि यह बहुत कम लागत में और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नवाचार के स्तर के अनुरूप है।

लंदन के ऐतिहासिक गुरुद्वारे में मोहन भागवत ने टेका मत्था... जानें खालसा जत्था का इतिहास

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लंदन के ऐतिहासिक गुरुद्वारे का दौरा किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने लंदन में ब्रिटिश सिख समुदाय से बातचीत की। वो भारत के बाहर बने सबसे पुराने गुरुद्वारों में पहुंचे। भागवत अमेरिका और कनाडा के बाद अपने विदेशी दौरे के आखिरी स्टेज पर यूके पहुंचे हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में उन्होंने लंदन के ऐतिहासिक खालसा जत्था ब्रिटिश आइल्स गुरुद्वारा साहिब का दौरा किया। ये गुरुद्वारा साल 1908 में स्थापित किया गया था।

राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने बताया कि मोहन भागवत ने लंदन के विल्सडेन में स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर का भी दौरा किया। यहां उस समय जन्माष्टमी का उत्सव मनाया जा रहा था।

साहनी ने बताया, "मोहन भागवत ने रुमाला साहिब भेंट किया, कड़ा प्रसाद ग्रहण किया और गुरुद्वारा प्रबंधन के साथ सार्थक बातचीत की। सिख परंपराओं के अनुसार, गुरु दरबार में किसी भी ऐसे श्रद्धालु का स्वागत है जो "पूरी विनम्रता के साथ प्रार्थना करने और गुरु का आशीर्वाद लेने" आता है।" रविवार को बाद में, भागवत लंदन के एक कम्युनिटी सेंटर में 'सेलिब्रेशन ऑफ वननेस' (एकता का उत्सव) थीम पर आयोजित अपनी UK यात्रा की सबसे बड़ी जनसभा को भी संबोधित किया।

यूरोप का बना पहला गुरुद्वारा

'खालसा जत्था ब्रिटिश आइल्स' की शुरुआत 20वीं सदी की शुरुआत में हुई थी। ये वो दौर था जब सिख प्रवासी पहली बार ब्रिटिश आइल्स में आकर बसे थे। उनके लिए ये एक नई जगह थी। ऐसे में रहने की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। इन चुनौतियों का सामना करते हुए उन्होंने एक ऐसी आध्यात्मिक जगह बनाने की कोशिश की जहां वे अपने धर्म और संस्कृति से जुड़ सकें। 1908 में उनके सपनों को तब साकार रूप मिला जब लंदन के बीचों-बीच इस गुरुद्वारे की स्थापना हुई। फिर ये यूरोप का पहला गुरुद्वारा बना।

'एकता के लिए एकरूपता जरूरी नहीं है'

RSS प्रमुख मोहन भागवत ने लंदन में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि "हिंदू राष्ट्र" का विचार धर्म, पूजा-पद्धति या जीवनशैली पर नहीं, बल्कि विविधता को स्वीकार करने पर आधारित है। उन्होंने तर्क दिया कि "एकता के लिए एकरूपता जरूरी नहीं है।"

भागवत का लंदन दौरा RSS के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क अभियान का हिस्सा है। इसके जरिए संघ दुनिया के साथ अपने संबंध मजबूत करना चाहता है और अपने संगठन व कामकाज के बारे में "सही" नजरिया पेश करना चाहता है। इससे पहले भागवत न्यूयॉर्क और टोरंटो में भी ऐसे ही कार्यक्रम कर चुके हैं।

नए वर्ल्ड मैप पर भारत के रुख से तिलमिलाया पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर को लेकर जारी किया बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के नक्शे को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद जारी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने समान क्षेत्रफल वाले विश्व मानचित्र को लेकर भारत का रुख स्पष्ट किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान क्षेत्रफल वाले मानचित्र से जुड़ी प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। उन्होंने कहा कि भारत के संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी शामिल हैं, उन्हें भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गलत या भ्रामक चित्रण को भारत स्वीकार नहीं करेगा। वहीं अब भारत के इस रुख पर पाकिस्तान का बयान सामने आया है।

भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से जम्मू-कश्मीर के विवादित क्षेत्र को लेकर दिए गए बयान पर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और राजदूत सज्जाद हैदर खान ने भारत के दावों को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सज्जाद हैदर ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर की स्थिति के बारे में भारत के उन बेबुनियाद दावों को पूरी तरह से खारिज करता है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माने गए तथ्यों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एकतरफा कार्रवाई और लगातार अवैध कब्जे से जम्मू-कश्मीर की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानी गई विवादित स्थिति नहीं बदल सकती।

जम्मू-कश्मीर को लेकर क्या कहा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का विवाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में सबसे पुराने अनसुलझे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माने गए विवादों में से एक है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के संबंधित प्रस्तावों में यह तय किया गया है कि इसका अंतिम समाधान सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छा के अनुसार होना चाहिए, जिसे संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में स्वतंत्र और निष्पक्ष जनमत संग्रह के जरिए व्यक्त किया जाए। पाकिस्तान ने अपने बयान में संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक नक्शे भी जिक्र किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सज्जाद हैदर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक नक्शे, जो जम्मू-कश्मीर को एक विवादित क्षेत्र के रूप में दिखाते हैं, वही इसकी वर्तमान कानूनी स्थिति का एकमात्र नक्शे के तौर पर प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के तथाकथित आधिकारिक नक्शों और संप्रभुता के एकतरफा दावों का विवादित क्षेत्र की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ता है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से की गुजारिश

उन्होंने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह करता है कि वह यह सुनिश्चित करे कि भारत के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन तुरंत बंद करे और संबंधित UNSC प्रस्तावों के अनुरूप कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को निभाए। दरअसल भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। मंत्रालय ने साफ कहा कि भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना हमें मंजूर नहीं है।

घर बेच रहा मुज्तबा खामेनेई! लंदन में उससे जुड़े ₹460 करोड़ के फ्लैट्स की लगी बोली

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई से जुड़े बताए जा रहे लंदन के दो लग्जरी फ्लैट्स अब बिकने के लिए बाजार में आ गए हैं। इन दोनों प्रॉपर्टीज की कुल कीमत करीब 36 मिलियन पाउंड (लगभग 460 करोड़ रुपये) बताई जा रही है। हालांकि, सरकारी जमीन के रिकॉर्ड के मुताबिक, इनका मालिकाना हक ईरानी बिजनेसमैन अली अलीअकबर अंसारी के नाम पर है।

द टेलीग्राफ और द संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अंसारी ने इन प्रॉपर्टीज को खरीदने के लिए निजी कर्जदाताओं से लोन लिया था। लोन की किस्तें नहीं चुका पाने के बाद कर्जदाताओं ने अपना पैसा वापस लेने के लिए रिसीवर नियुक्त किए। अब इन्हीं रिसीवरों की निगरानी में फ्लैट्स को बेचने की तैयारी हो रही है। इनमें से एक पेंटहाउस को सोथबीज और नाइट फ्रैंक करीब 12 मिलियन पाउंड (लगभग 153 करोड़ रुपये) में बेच रहे हैं। यह प्रॉपर्टी 3a पैलेस ग्रीन की छठी और सातवीं मंजिल पर है। करीब 3,944 वर्ग फुट में फैले इस पांच बेडरूम वाले पेंटहाउस में स्टाफ के लिए अलग रहने की जगह और केंसिंग्टन पैलेस के नजारे वाला बड़ा रूफ टेरेस भी है।

केंसिंग्टन पैलेस के पास खरीदी थी प्रॉपर्टी

सरकारी जमीन के रिकॉर्ड के मुताबिक, अंसारी ने यह पेंटहाउस 2016 में करीब 19 मिलियन पाउंड में खरीदा था। दूसरी प्रॉपर्टी 2014 में 16.175 मिलियन पाउंड में खरीदी गई थी। दोनों फ्लैट्स प्रिंस और प्रिंसेस ऑफ वेल्स के आधिकारिक घर के पास हैं। नाइट फ्रैंक की बिक्री जानकारी में लिखा है कि प्रॉपर्टी रिसीवरशिप में है। इसका मतलब है कि प्रॉपर्टी की देखरेख और बिक्री की जिम्मेदारी रिसीवरों के पास है। कंपनी ने यह भी कहा है कि उसके पास प्रॉपर्टी से जुड़ी पूरी जानकारी नहीं है, इसलिए खरीदारों को जरूरी जांच खुद करनी चाहिए।

अंसारी पर ब्रिटेन और अमेरिका के प्रतिबंध

अली अंसारी पर ब्रिटेन और अमेरिका ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) को कथित आर्थिक मदद देने के आरोप में प्रतिबंध लगाए हैं। ब्रिटिश सरकार ने अक्टूबर 2025 में उन पर प्रतिबंध लगाते हुए उनकी संपत्ति फ्रीज करने, यात्रा पर रोक लगाने और डायरेक्टर बनने से रोकने जैसे कदम उठाए थे। ब्रिटेन के पूर्व मिडिल ईस्ट मंत्री हैमिश फाल्कनर ने कहा था कि अंसारी ने IRGC की गतिविधियों को आर्थिक मदद पहुंचाने में भूमिका निभाई। अमेरिकी अधिकारियों ने भी उन पर ईरान से मिली दौलत के जरिए विदेशों में प्रॉपर्टी और बिजनेस का बड़ा नेटवर्क खड़ा करने का आरोप लगाया है। अंसारी का लंदन में 140 मिलियन पाउंड से ज्यादा का प्रॉपर्टी पोर्टफोलियो बताया जाता है। रिपोर्टों के मुताबिक, इन फ्लैट्स की बिक्री से मिलने वाली रकम को प्रतिबंधों के चलते सरकार फ्रीज कर सकती है। हालांकि, बिक्री की आखिरी कीमत और उससे जुड़ी कानूनी प्रक्रिया की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

नेटिजन बनने से पहले सिटिजन बनें युवा : प्रो. संजय द्विवेदी

साहित्यायन, दिल्ली की प्रथम व्याख्यानमाला में हुआ गंभीर विमर्श

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी का कहना है कि डिजिटल मीडिया मनुष्य के लिए एक उपयोगी साधन है, लेकिन उसे जीवन का विकल्प नहीं बनने देना चाहिए। युवाओं को तकनीक का उपयोग ज्ञान-सृजन, संवाद, शिक्षा, रोजगार और अवसरों के विस्तार के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता के बीच मौलिक चिंतन, मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी को सुरक्षित रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

वे यहां साहित्य, कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए गठित संस्था 'साहित्यायन' की प्रथम व्याख्यानमाला को आनलाइन संबोधित कर रहे थे। 'डिजिटल मीडिया और युवा जीवन-दृष्टि' विषय पर आयोजित इस व्याख्यानमाला में प्रो. द्विवेदी ने कहा कि यह समय वर्नाकुलर, वॉइस और वीडियो है। डिजिटल क्रांति ने भारतीय भाषाओं के सामने अभूतपूर्व संभावनाएँ उत्पन्न की हैं। डिजिटल माध्यमों के कारण भाषा और लिपि की अनेक बाधाएँ समाप्त हुई हैं। भारतीय भाषाओं का साहित्य, सिनेमा, रंगमंच, कला और सांस्कृतिक ज्ञान आज वैश्विक पटल पर उपलब्ध है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक वायरल सूचना सत्य नहीं होती। किसी संदेश, समाचार अथवा वीडियो को साझा करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ, सत्यता और विश्वसनीयता की जाँच करना आवश्यक है। युवाओं को केवल डिजिटल उपभोक्ता नहीं बल्कि जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनना होगा। उन्होंने मीडिया साक्षरता की आवश्यकता रेखांकित करते हुए कहा, "बुरा मत टाइप करो, बुरा मत लाइक करो और बुरा मत शेयर करो।" बिना सत्यापन के सामग्री प्रसारित करने की प्रवृत्ति व्यक्ति और समाज-दोनों के लिए हानिकारक हो सकती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ गहरी जिम्मेदारी भी जुड़ी है। असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन किसी का अपमान करना, घृणा फैलाना, उत्पीड़न करना और भ्रामक सूचना प्रसारित करना उचित डिजिटल व्यवहार नहीं है। डिजिटल दुनिया में निजता एक महत्त्वपूर्ण नागरिक मूल्य है।

मीडिया साक्षरता जरूरी-

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि AI ने शिक्षा, अनुवाद, भाषा-परिष्कार, कंटेंट निर्माण, वॉइस रिकॉग्निशन, विज्ञापन और संचार के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान किए हैं। इसके साथ ही मनुष्य की मौलिकता, आलोचनात्मक चिंतन और रचनात्मक श्रम के सामने गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी हुई हैं। मशीन पर अत्यधिक निर्भरता मनुष्य की चिंतन-क्षमता को कमजोर कर सकती है। युवाओं को तकनीक का स्वामी बनना चाहिए, उसका गुलाम नहीं। डीपफेक और कृत्रिम रूप से निर्मित सामग्री के खतरों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि AI के युग में सूचना की जाँच पहले से अधिक आवश्यक हो गई है। किसी व्यक्ति की आवाज, तस्वीर अथवा वीडियो को कृत्रिम रूप से बदलकर समाज को भ्रमित किया जा सकता है। इसलिए विद्यालय से लेकर उच्च शिक्षा तक मीडिया एवं सूचना साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

इल्म से शायरी नहीं होती-

मानवीय संवेदना को रचनात्मकता का आधार बताते हुए प्रो. द्विवेदी ने अकबर इलाहाबादी का शेर उद्धृत किया-"दर्द को दिल में जगह दो अकबर, इल्म से शायरी नहीं होती।" उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ तकनीक, भाषा और उपकरण उपलब्ध होने के बावजूद रचना तब तक प्रभावशाली नहीं बन सकती, जब तक उसमें मनुष्य के दुख, संघर्ष और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति न हो। उनका कहना था कि बहुभाषिकता भारत की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक शक्ति और गौरव है।

कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत वक्तव्य देते हुए पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और 'साहित्यायन' के संरक्षक व मार्गदर्शक प्रो. हरीश अरोड़ा ने कहा कि 'साहित्यायन' का उद्देश्य केवल साहित्य अथवा भाषा तक सीमित रहना नहीं है। यह संस्था भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति को समन्वित रूप से आगे बढ़ाते हुए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों तथा समाज के बीच संवाद स्थापित करेगी।उन्होंने कहा कि संस्था ऑनलाइन कार्यक्रमों के साथ भविष्य में प्रत्यक्ष कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी।

कार्यक्रम का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी अविरल अभिलाष मिश्र ने किया। आयोजन में डॉ. प्रभाकर कुमार, दिनेश कौशिक, साक्षी, हंसराज, सहदेव सिंह, नितेश कुमार पांडेय, हरीश चौधरी, राजेंद्र पाल, रेशमी कुमारी, प्रवीण त्रिपाठी, विश्वानी मिश्रा, शुभम शास्त्री और लव कुमार पांडेय की संयोजन समिति की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

'किसी का भाई किसी की जान' फेम सिद्धार्थ निगम को मिल गया प्यार, गर्लफ्रेंड संग शेयर की तस्वीर

सिद्धार्थ निगम को उनका प्यार मिल गया है। एक्टर ने अपने सोशल मीडिया के जरिए अपने रिश्ते का ऐलान किया है। चलिए जानते हैं कौन हैं एक्टर की गर्लफ्रेंड रिया।

सिद्धार्थ निगम भले ही कैमरे के सामने बड़े हुए हों, लेकिन बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट से लेकर बॉलीवुड एक्टर बनने तक का उनका सफर काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने सबसे पहले टीवी पर अपनी पहचान बनाई और फिर चक्रवर्ती अशोक सम्राट जैसे शो में लीड रोल निभाकर कम उम्र में ही खूब लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद उनकी फिल्मोग्राफी भी आगे बढ़ी। उन्होंने आमिर खान की फिल्म धूम 3 में साहिर और समर के बचपन का किरदार निभाया था। इसके बाद वह सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान (2023) में भी नजर आए। इस वक्त एक्टर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गए हैं।

उनके एक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। दरअलस, सिद्धार्थ निगम ने हाल ही में रिया ठक्कर के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर रिया के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की और एक लंबा-चौड़ा नोट भी लिखा। इसमें उन्होंने बताया कि दोनों पिछले दो साल से साथ हैं।

सिद्धार्थ ने ऑफिशियल किया अपना रिश्ता

सिद्धार्थ निगम ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर पोस्ट की है उसमें दोनों आसमान की तरफ देखते हुए मुस्कुरा रहे हैं। इसके साथ कैप्शन नें एक्टर ने लिखा- 2024। दो अजनबी, दो जिंदगियां और एक ऐसी मुलाकात, जिसके बारे में हम दोनों में से किसी ने नहीं सोचा था कि यह हमारी कहानी का इतना खूबसूरत हिस्सा बन जाएगी। न कोई प्लान था और न कोई सक्रिप्ट। हम बस एक-दूसरे से मिले और फिर रोजमर्रा के दिनों, शांत बातचीत, हंसी-मजाक और इन सबके बीच कुछ खूबसूरत सा पनपने लगा।

उन्होंने आगे लिखा, काफी समय तक यह सिर्फ हमारा था। ऐसी चीज जिसे हमने चुपचाप जिया, संजोया और उसे उसी तरह आगे बढ़ने दिया, जैसे उसे बढ़ना था और कभी-कभी जब कोई चीज आपकी जिंदगी में इतना प्यार, गर्मजोशी और मायने लेकर आती है, तो आपका मन करता है कि उसकी थोड़ी सी रोशनी दुनिया के साथ भी शेयर की जाए।

सिद्धार्थ ने अपनी बात खत्म करते हुए लिखा, तो हम यहां हैं। हमारी जिंदगी की उस खास चीज का एक छोटा सा हिस्सा, जो हमारे लिए बहुत मायने रखती है। किसी तरह हम दोनों एक-दूसरे को मिल गए और इसके लिए हम हमेशा आभारी रहेंगे।

कौन हैं रिया ठक्कर?

रिया ठक्कर ने भी इंस्टाग्राम पर अपनी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग बना रखी है। वह सोशल मीडिया पर द एफ्रोडाइट नाम से जानी जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 59।2 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वह अपने फैंस के साथ फैशन, लाइफस्टाइल और अपनी जिंदगी से जुड़ी पोस्ट शेयर करती रहती हैं।

Bigg Boss 20 को होस्ट करने के लिए 160 करोड़ वसूल रहे हैं सलमान खान?

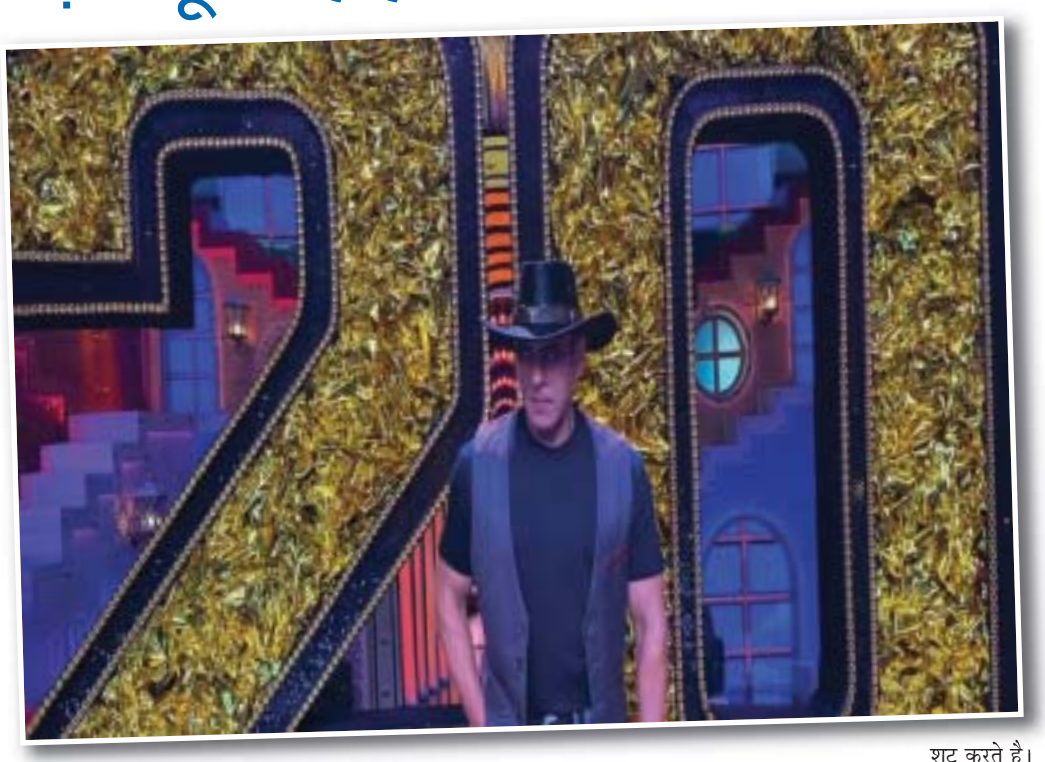

सलमान खान और 'बिग बॉस' का रिश्ता अब सिर्फ एक होस्ट और शो का नहीं है। बल्कि टीवी हिस्ट्री की सबसे आइकॉनिक जोड़ियों में से एक है। पिछले 15 साल से भी ज्यादा वक्त से वो इस शो की रीढ़ बने हुए हैं। उनके बिना 'बिग बॉस' की कल्पना करना भी फैंस के लिए मुमकिन नहीं है। अब जब एक्टर एक बार फिर 'बिग बॉस 20' लेकर लौटे हैं, तो शो के साथ-साथ इस बार भी उनकी भारी-भरकम फीस को लेकर हर तरफ चर्चाएं तेज हो गई हैं। 'बिग बॉस 20' का ग्रैंड प्रीमियर रविवार, 6 सितंबर 2026 को होने जा रहा है। जिसके लिए बीते दिन एक्टर ने एपिसोड शूट किया। पर क्या सच में सलमान 160 करोड़ रुपये से ज्यादा वसूल रहे हैं।

'बिग बॉस 4' से लेकर अब 20वें सीजन तक, सलमान खान की फीस में लगातार भारी बढ़ोतरी देखी गई है। हर नए सीजन की शुरुआत से पहले मीडिया में यह सवाल उठने लगता है कि इस बार 'भाईजान' मेकर्स से कितने करोड़ रुपये वसूल रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो वो पूरे सीजन के लिए एक ऐसी मोटी रकम चार्ज करते हैं, जो इंडियन टेलीविजन के इतिहास में किसी भी होस्ट के लिए सबसे ज्यादा है। पर एक्टर का कहना है कि जितना रिपोर्ट्स में दावा किया गया है, उन्हें उतनी फीस नहीं मिलती है।

सलमान को इस सीजन में कितने मिले हैं?

मेकर्स भी अच्छी तरह जानते हैं कि सलमान खान की ब्रांड वैल्यू और स्टारडम ही BIGG BOSS की सबसे बड़ी ताकत है। उनके शो में रहने से न सिर्फ बड़े-बड़े स्पॉन्सर्स खिंचे चले आते हैं, बल्कि टीआरपी चार्ट्स पर भी शो नंबर वन बना रहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले सीजन में सलमान खान प्रति महीने लगभग 60 करोड़ चार्ज कर रहे थे। इस हिसाब से पूरे 15-16 हफ्तों के सीजन के लिए उनकी कुल कमाई 100 करोड़ से 150 करोड़ रहने की बात कही गई थी। अगर 'वीकेंड का वार' के हिसाब से देखा जाए, तो वो प्रति हफ्ते 2 एपिसोड शूट करते है। ऐसा कहा जाता है कि इसके लिए 10 से 15 करोड़ तक चार्ज करते थे।

पर इस बार इस फीस में और बढ़ोतरी बताई जा रही है। नई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एक्टर बिग बॉस 20 को होस्ट करने के लिए लगभग 160 करोड़ रुपये ले रहे हैं। अगर ये रिपोर्ट्स सच हैं, तो यह बिग बॉस के इतिहास में किसी होस्ट को दी जाने वाली अब तक की सबसे ज्यादा रकम होगी। हालांकि, इस आंकड़े की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन यह फैन्स और इंडस्ट्री पर नजर रखने वालों के बीच चर्चा का एक बड़ा विषय बन गया है।

'सरदार 2' को सेंसर बोर्ड की मंजूरी, मिला यू/ए सर्टिफ़िकिट, 10 सितंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिनेता कार्थी की बहुप्रतीक्षित जासूसी-एक्शन फिल्म 'सरदार 2' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से यू/ए प्रमाणपत्र मिल गया है। फिल्म अब 10 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कार्थी दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की अवधि करीब 2 घंटे 59 मिनट बताई जा रही है।

प्रमाणपत्र मिलने के बाद फिल्म की रिलीज को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। निर्माता इसे पिछली कड़ी की तुलना में अधिक बड़े पैमाने, गहरे कथानक और रोमांचक जासूसी-एक्शन के रूप में पेश कर रहे हैं।

फिल्म के हाल में जारी किए गए करीब तीन मिनट लंबे प्रचार वीडियो को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसमें अभिनेता एस.जे. सूर्या को खतरनाक खलनायक 'ब्लैक डैगर' के रूप में पेश किया गया है। प्रचार वीडियो में कार्थी के दोनों किरदारों, अंतरराष्ट्रीय जासूसी अभियान, जोरदार मारधाड़ और भावनात्मक टकराव की झलक देखने को मिलती है।

कार्थी और एस.जे. सूर्या के बीच होने वाले टकराव को लेकर भी दर्शकों में खासा उत्साह है। फिल्म के प्रचार वीडियो के सामने आने के बाद दोनों अभिनेताओं के आमने-सामने होने वाले दृश्यों की चर्चा तेज हो गई है।

हाल ही में फिल्म की टीम की बातचीत ने भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाई है। कार्थी ने अच्छी फिल्मों के साथ-साथ अपनी चर्चित फिल्म 'कैथी 2' को लेकर दर्शकों की उम्मीदों पर बात की। वहीं, प्रचार वीडियो के विमोचन के दौरान एस.जे. सूर्या ने कार्थी के समर्पण और उनके करियर से जुड़े अलग तरह के फैसलों की सराहना की।

कार्थी ने पहली 'सरदार' फिल्म के पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश को भी याद किया। इससे संकेत मिलता है कि नई कड़ी में भी मनोरंजन के साथ सामाजिक मुद्दों को महत्व दिया गया है।

तेलुगु भाषी दर्शकों तक फिल्म को पहुंचाने की जिम्मेदारी अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने संभाली है। इसके माध्यम से 'सरदार 2' को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सिनेमाघरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

फिल्म में कार्थी और एस.जे. सूर्या के अलावा मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और रजिषा विजयन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। संगीत सैम सी.एस. ने दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्माए गए दृश्यों, बड़े पैमाने के एक्शन और जासूसी कहानी के कारण फिल्म से काफी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com